Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-18, अंक-08 16-30 अप्रैल, 2023 (पाक्षिक) ₹20

'कार्यालय पार्टी कार्यकर्ताओं के सपनों का विस्तार है'

भाजपा के लिए सदैव 'राष्ट्र प्रथम'

भाजपा के 44वें स्थापना दिवस के अवसर पर 6 अप्रैल, 2023 को भाजपा केंद्रीय कार्यालय (विस्तार), नई दिल्ली में डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

28 मार्च, 2023 को दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली स्थित भाजपा केंद्रीय कार्यालय के नवनिर्मित विस्तार परिसर के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

भोपाल में 26 मार्च, 2023 को भाजपा मध्य प्रदेश राज्य कोर कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नवादा (बिहार) में 2 अप्रैल, 2023 को एक विशाल जनसभा को संबोधित करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश) में 7 अप्रैल, 2023 को विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन करते केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

नई दिल्ली में 4 अप्रैल, 2023 को श्री रामचरितमानस के हिंदी अनुवाद का विमोचन करने के बाद सभा को संबोधित करते रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 भाजपा का ध्येय है जन कल्याण : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने छह अप्रैल, 2023 को भारतीय जनता पार्टी के 44वें स्थापना दिवस के दिन देश भर के पार्टी कार्यकर्ताओं को वर्चुअली संबोधित किया और उनसे जनसेवा के प्रति समर्पित होने का आह्वान किया। देश भर के 10 लाख 72 हजार से अधिक स्थानों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने इकट्ठे होकर प्रधानमंत्री...

09 अंत्योदय के संकल्प से श्रेष्ठ भारत निर्माण के लिए हम सभी समर्पित हैं : जगत प्रकाश नड्डा'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन से पूर्व...

12 कार्यालय की आत्मा हमारे कार्यकर्ता हैं : नरेन्द्र मोदी

भाजपा के नवनिर्मित केंद्रीय कार्यालय विस्तार के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी...

14 भाजपा जन-कल्याण के लिए समर्पित भाव से काम करती रहेगी : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय विस्तार के लोकार्पण अवसर पर 28 मार्च, 2023 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते...

27 प्रधानमंत्री का तेलंगाना, तमिलनाडु व कर्नाटक दौरा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना में हैदराबाद के परेड ग्राउंड में आठ अप्रैल को 11,300 करोड़ रुपये से अधिक...

वैचारिकी

अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा / **अटल बिहारी वाजपेयी** 24

श्रद्धांजलि

भाजपा नेता गिरीश बापट नहीं रहे 26

अन्य

'अबकी बार, भाजपा 200 पार' 11
'ये कार्यालय पार्टी कार्यकर्ताओं के सपनों का विस्तार हैं' 15
केंद्रीय गृह मंत्री का मिजोरम व बिहार प्रवास 16
कोर्ट ने 14 विपक्षी पार्टियों की याचिका खारिज की 17
वित्त वर्ष 2022-23 के लिए सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 22 प्रतिशत बढ़कर 18.10 लाख करोड़ रुपये रहा 18
देश के 60 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को मिल रहा है 'नल से स्वच्छ पेयजल' 19
नई योजना 'महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र, 2023' का शुभारंभ 20
स्टैंड-अप इंडिया योजना के तहत 1,80,630 से अधिक खातों में 40,700 करोड़ रुपये से अधिक की राशि आवंटित 21
मोदी स्टोरी 22
कमल पुष्प 22
'कर्नाटक का संतुलित विकास हमारी पार्टी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार ही कर सकती है' 23
बजट सत्र के दौरान पारित विधेयक एवं प्रमुख गतिविधियां 30
'मन की बात' 33

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

2014 में केवल सत्ता परिवर्तन नहीं हुआ, बल्कि भारत में पुनर्जागरण की नई यात्रा के लिए लोगों ने शंखनाद किया। आज अमृतकाल में देश पंच-प्राणों की शक्ति लेकर आगे बढ़ रहा है।

(6 अप्रैल, 2023)

जगत प्रकाश नड्डा

विपक्ष को बार-बार देश की स्वतंत्र एजेंसियों पर आरोप लगाने की आदत है। विपक्ष के लोगों के कारनामे पूरा देश देख रहा है। सारे ऐसे लोग जो भ्रष्टाचार के मामलों में लिप्त हैं, आज वो एक मंच पर आकर झूठे आरोपों की राजनीति कर रहे हैं। आज सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी उन सभी को आईना दिखानेवाली है। (5 अप्रैल, 2023)

अमित शाह

अपनी तुष्टीकरण की राजनीति के लिए बिहार को जलानेवाले जदयू-आरजेडी गठबंधन को बिहार की जनता ने उखाड़ फेंकने का मन बना लिया है। नवादा की जनसभा में उमड़े इस जनसैलाब ने बिहार में परिवर्तन का बिगुल फूंक दिया है। (2 अप्रैल, 2023)

राजनाथ सिंह

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा भारतवासियों के लिए वह राजनीतिक दल है, जिसमें उन्हें अपना भविष्य दिखाई देता है। समाज के कमजोर वर्गों के लिए भाजपा एक मज़बूत संबल बनकर काम रही है और देश की विकास यात्रा को नए शिखर पर स्थापित करने में पूरे मनोयोग से प्रयासरत है। (6 अप्रैल, 2023)

बी.एल. संतोष

भ्रष्टाचार के आरोपों से परेशान, चुनावी पराजय का सामना कर रही बीआरएस पार्टी और इसका नेतृत्व एक डूबती हुई नाव है। उन्होंने भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष और सांसद बंदी संजय को गिरफ्तार करके नाराजगी मोल ली है। यह उनके राजनीतिक वजूद पर अंतिम प्रहार साबित होगा। (5 अप्रैल, 2023)

सर्बानंद सोनोवाल

पिछले 8 वर्षों में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) ने भारत के उद्यमशीलता परिदृश्य को बदल दिया है, कई युवाओं के सपने को पूरा किया है और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। (8 अप्रैल, 2023)

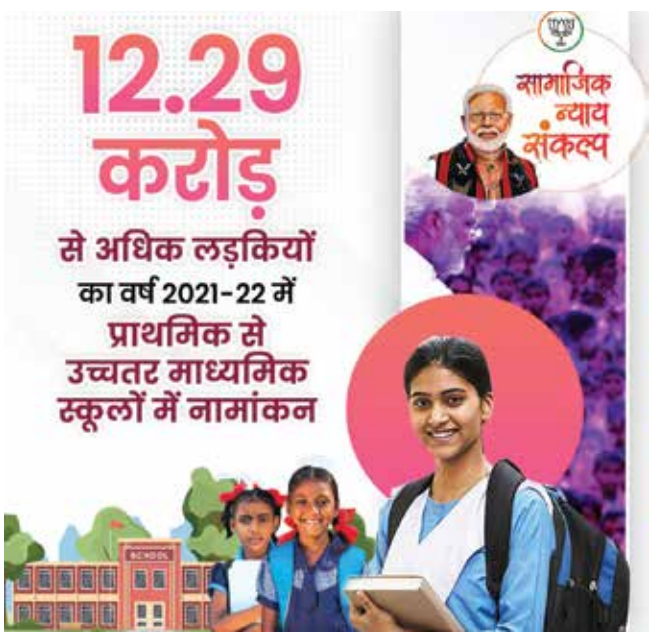

संपादकीय

राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के प्रति समर्पित हर भाजपा कार्यकर्ता

भाजपा के 44वें स्थापना दिवस के अवसर पर पूरे देश में कार्यकर्ताओं ने पूरे उत्साह से मां भारती की सेवा के अपने संकल्प को और अधिक सुदृढ़ किया। एक ओर जहां भाजपा कार्यालयों में उत्सव का वातावरण था, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी दूरगामी दृष्टि, लक्ष्य के प्रति अटूट समर्पण एवं बहुमूल्य मार्गदर्शन से हर कार्यकर्ता को प्रेरित किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'भारत प्रथम' का मंत्र, जिसे हर कार्यकर्ता पूरी निष्ठा से पालन करता है, पर जोर देते हुए पुनः स्मरण दिलाया कि भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के अपने लक्ष्य में 'स्वयं' के हित को कभी प्राथमिकता नहीं देता। हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर सबको शुभकामनाएं देते हुए श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भगवान हनुमान की तरह भाजपा कार्यकर्ता भी असंभव को संभव करने का सामर्थ्य रखता है। 'अमृतकाल' में कार्यकर्ताओं पर यह विशेष आशीर्वाद है कि उन्हें देश की सेवा का सौभाग्य मिल रहा है। इस अवसर पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि एक राजनैतिक दल होते हुए भी पार्टी ने कोविड-19 वैश्विक महामारी एवं अन्य कठिन परिस्थितियों में 'सेवा कार्य' के माध्यम से एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है। विश्व के सबसे बड़े राजनैतिक दल के रूप में भाजपा ने अद्भुत उपलब्धियां अर्जित की हैं। भारतीय राजनीति में एक विकल्प देने से लेकर, आपातकाल में लोकतंत्र की रक्षा, राष्ट्र की एकता-अखंडता के लिए निरंतर संघर्ष, सुशासन एवं विकास के नए युग का शुभारंभ एवं 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉरमेंस' के माध्यम से देश में एक स्वस्थ राजनीति की स्थापना, अनेक उपलब्धियों में से कुछेक हैं। एक राजनैतिक दल के रूप में भाजपा राष्ट्र की लोकतांत्रिक परंपराओं, मूल्य आधारित राजनीति तथा सार्वजनिक जीवन में उच्च मानदंडों का प्रतिनिधित्व करती है। भारतीय राजनीति के लिए यह एक अनुपम उपहार है, एक ऐसा उदाहरण जिससे आज पूरा विश्व चमत्कृत है।

> **एक राजनैतिक दल होते हुए भी भाजपा ने कोविड-19 वैश्विक महामारी एवं अन्य कठिन परिस्थितियों में 'सेवा कार्य' के माध्यम से एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है**

विपक्ष के 14 राजनैतिक दलों द्वारा दायर याचिका को एक सिरे से खारिज कर सर्वोच्च न्यायालय ने पुनः एक बार बता दिया है कि कोई कितना भी ताकतवर क्यों न हो, वह देश के कानून से ऊपर नहीं है। राजनेताओं को किसी भी प्रकार की छूट देने से इनकार करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि जब हम राजनेताओं एवं आम नागरिक में कोई भेद नहीं करते, तब राजनेताओं को भी समान रूप से कानूनी प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि उन्हें कोई छूट नहीं दी जा सकती। ध्यान देने योग्य है कि कांग्रेस सहित तृणमूल, आप, द्रमुक, समाजवादी पार्टी, जदयू, राजद, बीआरएस, एनसीपी, उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना का धड़ा, झामुमो, सीपीएम, सीपीआई, नेशनल कांफ्रेंस समेत 14 राजनैतिक दलों ने भ्रष्टाचार के मामलों में सीबीआई एवं ईडी द्वारा जांच के लिए गिरफ्तारी से छूट मांगी थी। कांग्रेस एवं इसके सहयोगी जो केंद्र एवं कई राज्यों में लंबे समय तक शासन में रहे, भारी भ्रष्टाचार, जनता के धन की लूट, कई प्रकार के घोटालों एवं घपलों के कारण जनता द्वारा सत्ता से हटा दिए गए। आज जब भ्रष्टाचार के मामलों की कड़ाई से जांच चल रही है एवं दोषियों को कठघरे में खड़ा किया जा रहा है, सारा विपक्ष हाय-तौबा मचा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत एवं दृढ़-निश्चयी नेतृत्व में ही यह संभव हो पाया है कि चाहे कोई बड़े राजनैतिक परिवार का हो, किसी राजनैतिक दल का हो या पूर्व में किसी ऊंचे पद पर रहा हो, किसी भी भ्रष्टाचारी को छोड़ा नहीं जा रहा है। कांग्रेस एवं इसके साथी जो सत्ता को मौज-मस्ती एवं व्यक्तिगत स्वार्थपूर्ति का साधन मानते हैं तथा इसे भ्रष्टाचार करने एवं सरकारी खजाने को लूटने का लाइसेंस समझते हैं, अब सजा से विशेष छूट के लिए न्यायालय में याचिका दायर कर रहे हैं। कांग्रेस एवं इसके सहयोगियों द्वारा राजनेता होने के नाम पर इस तरह के लोकतंत्र विरोधी, संविधान-विरोधी एवं जन-विरोधी विशेषाधिकार की मांग को पूरी तरह से खारिज करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय को बधाई देनी चाहिए।

आज जब जनता पूरे देश में भाजपा पर अपना आशीर्वाद बरसा रही है, कांग्रेस-नीत विपक्ष अब भी वंशवादी विशेषाधिकार, सत्ता पर एकाधिकार एवं व्यक्तिगत स्वार्थपूर्ति की राजनीति में आकंठ डूबी हुई है। कांग्रेस एवं इसके सहयोगी दल आज भी सिद्धांतहीन-अवसरवादी राजनीति, सत्ता के लिए गुणा-भाग तथा व्यक्तिगत स्वार्थ के मकड़जाल में उलझी हुई है, वहीं भाजपा का विश्वास राष्ट्र के लिए कठोर परिश्रम, त्याग और समर्पण एवं निःस्वार्थ सेवा पर है। परिणाम यह है कि देश में हर ओर 'कमल' खिल रहा है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

भाजपा के 44वें स्थापना दिवस पर कार्यक्रम

भाजपा का ध्येय है जन कल्याण : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने छह अप्रैल, 2023 को भारतीय जनता पार्टी के 44वें स्थापना दिवस के दिन देश भर के पार्टी कार्यकर्ताओं को वर्चुअली संबोधित किया और उनसे जनसेवा के प्रति समर्पित होने का आह्वान किया। देश भर के 10 लाख 72 हजार से अधिक स्थानों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने इकट्ठे होकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संबोधन सुना एवं उनके मार्गदर्शन का लाभ उठाया।

भाजपा की प्रेरणा है— इदम् राष्ट्राय, इदम् न मम्

श्री मोदी ने कहा कि आज हम सभी अपनी पार्टी का स्थापना दिवस मना रहे हैं। मां भारती की सेवा में समर्पित प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता को मैं बहुत-बहुत बधाई देता हूं। पार्टी को खून-पसीने से सींचने वाले कार्यकर्ताओं के कारण ही हमें देश सेवा का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। भाजपा की स्थापना से लेकर आज तक जिन महान विभूतियों ने अपने खून-पसीने से इस पार्टी को सींचा है, पार्टी को संवारा है, सशक्त और समृद्ध किया है, उन छोटे से छोटे कार्यकर्ता से लेकर के वरिष्ठ पद पर रहकर देश और पार्टी की सेवा करने वाले सभी महानुभावों को मैं शीश झुकाकर प्रणाम करता हूं।

उन्होंने कहा कि आज हम देश के कोने-कोने में भगवान हनुमान जी की जन्म जयंती मना रहे हैं। हनुमानजी सब कुछ कर सकते हैं, सबके लिए करते हैं, लेकिन अपने लिए कुछ नहीं करते। इदम् रामाय, इदम् न मम्। यही भाजपा की भी प्रेरणा है- इदम् राष्ट्राय, इदम् न मम्!

भाजपा मतलब — नए भारत का निर्माण

श्री मोदी ने कहा कि जब जनसंघ का जन्म हुआ था, तो हमारे पास न ज्यादा सियासी अनुभव था, न साधन थे, न संसाधन थे लेकिन हमारे पास थी तो मातृभूमि की भक्ति और लोकतंत्र की शक्ति। भाजपा वो पार्टी है जिसके लिए राष्ट्र सदैव सर्वोपरि रहा है। 'एक भारत—श्रेष्ठ भारत' जिसकी आस्था का मूल मंत्र रहा है। हमने राष्ट्र प्रथम के मंत्र को अपना आदर्श बनाया है। भाजपा ने लोकतंत्र की कोख से जन्म लिया, भाजपा लोकतंत्र के अमृत से पोषित हुई और भाजपा देश के लोकतंत्र को, देश के संविधान को मजबूत करते हुए दिन-रात देश के लिए काम कर रही है। भाजपा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र के साथ काम कर रही है। हमारा समर्पण है मां भारती को, हमारा समर्पण है देश के कोटि-कोटि जनों को, हमारा समर्पण है देश के संविधान को। आज भाजपा विकास का पर्याय है, विश्वास का पर्याय है, नए विचार का पर्याय है और देश की विजय का पर्याय है। आज भाजपा देश की विजय यात्रा में एक मुख्य सेवक बनकर अपनी भूमिका निभा

रही है। भाजपा की कार्यशैली सर्वसमावेशी है, सर्वस्पर्शी है, सर्वजन का हित करनेवाली है। भारतीय जनता पार्टी एक दल नहीं, एक विचार है जिसका ध्येय राष्ट्र निर्माण है, जन कल्याण है। भाजपा मतलब — मिशन, भाजपा मतलब — समाज सेवा, भाजपा मतलब — समाज का सशक्तीकरण, भाजपा मतलब — नए भारत का निर्माण।

सामाजिक न्याय को सर्वोच्च प्राथमिकता

श्री मोदी ने कहा कि सामाजिक न्याय और सशक्तीकरण को हमने हमेशा अपने हृदय और कार्यशैली में सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। सामाजिक न्याय के नाम पर कई राजनीतिक दलों ने देश के साथ खिलवाड़ किया है। उन्होंने केवल अपने परिवारों का कल्याण सुनिश्चित किया, लोगों का नहीं। दूसरी ओर, हमारे लिए सामाजिक न्याय कोई राजनीतिक नारा नहीं बल्कि हमारे लिए आस्था का विषय (Article of Faith) है। भाजपा सामाजिक न्याय को जीती है, इसकी भावना का अक्षरशः पालन करती है। 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिलना सामाजिक न्याय का प्रतिबिंब है। 50 करोड़ गरीबों को बिना भेदभाव 5 लाख रुपये तक मुफ्त इलाज की सुविधा मिलना सामाजिक न्याय की सशक्त अभिव्यक्ति है। 45 करोड़ गरीबों के बिना भेदभाव जनधन खाते खोलना सामाजिक न्याय के Inclusive Agenda का जीता जागता उदहारण है। 11 करोड़ लोगों को शौचालय मिलना ही तो सामाजिक न्याय है बिना तुष्टीकरण और भेदभाव किए भाजपा सामाजिक न्याय के इरादों को सच्चे अर्थों में साकार करनेवाला एक पर्याय बनकर उभरी है।

हमारा मंत्र - 'राष्ट्र प्रथम'

श्री मोदी ने कहा कि भाजपा को 21वीं सदी की भविष्य की पार्टी बनाना है। अति आत्मविश्वास का शिकार नहीं होना है। लोग अभी से कह रहे हैं कि 2024 में भाजपा को कोई नहीं हरा सकता। यह बात सही है, लेकिन भाजपा कार्यकर्ता के नाते हर नागरिक का दिल जीतना होगा। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के रूप में हमें खुद को चुनाव जीतने तक सीमित नहीं रखना चाहिए। हमें लोगों का दिल जीतने के लिए काम करना चाहिए। हमें प्रत्येक चुनाव उसी स्तर की ऊर्जा और कड़ी मेहनत के साथ लड़ना है जैसाकि हम 1980 के दशक से करते आ रहे हैं। मुझे दृढ़ विश्वास है कि हमारे कार्यकर्ताओं की भक्ति, समर्पण और शक्ति और 'राष्ट्र प्रथम' का हमारा मंत्र हमें प्रेरणा देता रहेगा!

उन्होंने कहा कि आज भाजपा देश में एक नए पॉलिटिकल कल्चर का भी नेतृत्व कर रही है, जबकि कांग्रेस और उसके ही जैसे अन्य दलों का कल्चर आप देख सकते हैं। कांग्रेस और उसके जैसी पार्टियां परिवारवाद, वंशवाद, जातिवाद और क्षेत्रवाद की बंधक हैं, जबकि भाजपा का पॉलिटिकल कल्चर, प्रत्येक देशवासी को साथ लेकर चलने का है।

हमारे लिए सामाजिक न्याय कोई राजनीतिक नारा नहीं बल्कि हमारे लिए आस्था का विषय (Article of Faith) है। भाजपा सामाजिक न्याय को जीती है, इसकी भावना का अक्षरशः पालन करती है

भारत के पुनर्जागरण का शंखनाद

श्री मोदी ने कहा कि 2014 में केवल सत्ता परिवर्तन नहीं हुआ, बल्कि 2014 में भारत के लोगों ने भारत के पुनर्जागरण की नई यात्रा का शंखनाद कर दिया है। 800 साल से ज्यादा की गुलामी से बाहर निकल कर एक राष्ट्र अपना खोया हुआ गौरव पाने के लिए फिर से उठ खड़ा हुआ है। इस प्रक्रिया में दशकों से चली आ रही बुराइयां धीरे-धीरे कमजोर पड़ती जा रही हैं। सन् 47 में अंग्रेज भले ही चले गए, लेकिन लोगों को गुलाम रखने की मानसिकता यहीं छोड़ गए। आजादी के बाद देश में ऐसा वर्ग खूब फला-फूला जो सत्ता को

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पार्टी ध्वज फहराया और मेगा वॉल राइटिंग अभियान की शुरुआत की

भाजपा के 44वें स्थापना दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 06 अप्रैल 2023 को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में पार्टी ध्वज फहराया, तत्पश्चात उन्होंने राष्ट्रीय एकता के अग्रदूत डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी और 'एकात्म मानववाद' एवं 'अंत्योदय' की विचारधारा के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां श्री नड्डा ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उनका अभिनंदन किया और उन्हें पार्टी और देश के लिए समर्पण भाव के साथ काम करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम समाप्त होने के पश्चात श्री जगत प्रकाश नड्डा ने दिल्ली के बंगाली मार्केट क्षेत्र में 18-बाजार लेन का दौरा किया जहां उन्होंने राष्ट्रव्यापी मेगा वॉल राइटिंग अभियान का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में देशभर के 10 लाख से ज्यादा बूथों पर लाखों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। संसद भवन परिसर स्थित बालयोगी सभागार में एकत्रित हुए पार्टी के पदाधिकारी, प्रदेश इकाइयों के अध्यक्ष और पार्टी के सभी सांसद भी इस कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने 'एक बार फिर से मोदी सरकार' और 'एक बार फिर से भाजपा सरकार' जैसे नारे लिखकर मेगा वॉल राइटिंग अभियान की शुरुआत की। अभियान के तहत देश भर में 10.72 लाख से अधिक बूथों पर पार्टी कार्यकर्ता भी इसी तरह का लेखन करेंगे।

भारतीय जनता पार्टी 14 अप्रैल यानी बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती तक देश भर में एक विशेष सेवा सप्ताह मना रही है, जिसके दौरान देश भर में 10.72 लाख बूथों पर विभिन्न सामाजिक कल्याण गतिविधियां चलायी जाएंगी। ■

अपना जन्मजात हक़ समझता था। इन लोगों की बादशाही मानसिकता ने देश के लोगों को हमेशा अपना गुलाम माना। 2014 में इस दबे कुचले, शोषित-वंचित वर्ग ने अपनी आवाज बुलंद की।

उन्होंने कहा कि बादशाही मानसिकता के लोग इस वर्ग की आवाज सुनने के लिए तैयार नहीं थे। इसलिए हमारी सरकार के पहले कार्यकाल में बादशाही मानसिकता वाले इन लोगों ने इन शोषित-वंचितों दलितों-पिछड़ों का मजाक उड़ाना शुरू किया। जब हमारा मजाक उड़ाकर सफल नहीं हुए, तो बादशाही मानसिकता वाले लोगों की नफरत और बढ़ गई। दशकों से हिंसा झेल रहे कश्मीर और नॉर्थ-ईस्ट में शांति का सूरज उगेगा, ये उन्होंने सोचा नहीं था। आर्टिकल 370 इतिहास हो जाएगा, ये उन्होंने कल्पना नहीं की थी। जो काम दशकों तक नहीं हुए, वो भाजपा कैसे कर रही है, वो इन्हें पच नहीं रहा है। नफरत से भरे ये लोग झूठ बोले जा रहे हैं। अपने भ्रष्ट कर्मों का खुलासा होते देख ये बेचैन हैं और हताशा से भर गए हैं। इतने निराश हैं कि एक ही रास्ता दिख रहा है। खुलकर कह रहे हैं कि मोदी तेरी कब्र खुदेगी। वो कब्र खोदने की धमकी दे रहे हैं। बादशाही मानसिकता' वाले इन लोगों को इन पार्टियों को एक बात पता नहीं है। आज देश का गरीब, देश का सामान्य मानवी, देश का युवा, देश की माताएं बहने बेटियां, दलित-पीड़ित शोषित-वंचित-आदिवासी, हर कोई भाजपा की ढाल बना हुआ है।

श्री मोदी ने कहा कि इस शुभ अवसर पर जब भाजपा अपने गठन के 43 वर्ष पूरे कर रही है और देश अपनी आजादी का अमृतकाल मना रहा है, तब आइए, हम अपने देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का, हर किसी के दिल जीतने का और मां भारती के सपनों को साकार करने का संकल्प लें। मैं प्रार्थना करता हूं कि हनुमान जी हम सभी पर कृपा करें। मैं प्रार्थना करता हूं कि लोगों का विश्वास और आशीर्वाद हमारे साथ, भारतीय जनता पार्टी के साथ बना रहे। ■

अंत्योदय के संकल्प से श्रेष्ठ भारत निर्माण के लिए हम सभी समर्पित हैं : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 6 अप्रैल, 2023 को पार्टी के 44वें स्थापना दिवस पर भाजपा के केंद्रीय कार्यालय विस्तार में भाजपा के झंडे का ध्वजारोहण किया और तत्पश्चात् देश की एकता एवं अखंडता के अग्रदूत डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जीजी और एकात्म मानववाद एवं अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में देश भर के पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन से पहले वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से श्री नड्डा ने उनका अभिनंदन किया और वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से देश भर के पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। विदित हो कि भाजपा 6 अप्रैल से लेकर बाबासाहब भीमराव अंबेडकरजी की जयंती, 14 अप्रैल तक भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व में विशेष सेवा सप्ताह मना रही है, जिसके दौरान कई कार्यक्रम देश के लगभग 10.72 लाख से अधिक बूथों पर आयोजित किये जाएंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन से पूर्व वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से देश भर के पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि यह हम लोगों के लिए अपार हर्ष का अवसर है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी की विकास यात्रा में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया है। हम सबका जिन्होंने हमेशा मार्गदर्शन किया है और विषम परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने की राह दिखाई है, ऐसे यशस्वी प्रधानमंत्रीजी का आज के पावन दिन हम सभी को संबोधन और मार्गदर्शन मिलेगा। मैं अपनी ओर से और आप सभी कार्यकर्ताओं की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत करता हूं और उन्हें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मैं अपने करोड़ों कार्यकर्ताओं को भी पार्टी के स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई देता हूं। आज के दिन हमारे सभी मनीषी और वरिष्ठ नेता जिन्होंने अपने खून-पसीने से इस पार्टी को सींचा, अपना त्याग और बलिदान दिया, उन सबको मैं नमन

करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। ये हमारी जिम्मेदारी है कि हम भी उसी ऊर्जा से पार्टी की सेवा करें। आज हमें यह संकल्प लेना है कि प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व में हमें एक क्षण के लिए भी बैठना नहीं है और हम पार्टी को और आगे ले जाएंगे।

विचारधारा पर अडिग

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने कच्छ से लेकर पूर्वोत्तर तक और कश्मीर से लेकर केरल तक अपनी छाप छोड़ी है। हमारे कार्यकर्ताओं ने अथक परिश्रम से पार्टी इस मुकाम तक पहुंचाया है। आज पार्टी द्वारा 1 लाख 80 हजार शक्ति केंद्रों पर काम किया जा रहा है। लगभग 8 लाख 40 हजार बूथों पर भाजपा के बूथ की रचना हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि जब भी पार्टी को जरूरत हुई, हमारे निवेदन पर हमें प्रधानमंत्रीजी का मार्गदर्शन मिला है। आज के दिन हम हमारे मनीषी श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जीजी, पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी, श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयीजी, श्रद्धेय सुंदर सिंह भंडारीजी, आदरणीय कुशाभाऊ ठाकरेजी, आदरणीय लालकृष्ण आडवाणीजी जैसे मनीषी महापुरुषों को भी नमन करते हैं। हमने आज ध्वजारोहण के पश्चात् जनसंघ से भाजपा की यात्रा के संदर्भ में एक लघु फिल्म भी देखी कि किस तरह भाजपा अपनी विचारधारा पर अडिग रहते हुए आगे बढ़ती रही।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने सफलता के नए आयाम गढ़े हैं। प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व में गुजरात में ऑल टाइम रिकॉर्ड टूटा और भाजपा ने गुजरात के विधानसभा चुनाव के इतिहास की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर, त्रिपुरा, नागालैंड, में लगातार दूसरी बार रिकॉर्ड बहुमत से सरकार बनी। गोवा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी। नॉर्थ ईस्ट में जिस तरह से प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व में भाजपा ने वहां के लोगों का दिल जीता है, वह अभूतपूर्व है।

सेवा-भाव से काम करनेवाली पार्टी की छवि

श्री नड्डा ने कहा कि आज भाजपा राजनीतिक दल है तो इसके साथ-साथ समाज में सेवा-भाव से काम करनेवाली छवि भी भाजपा की बनी है। कोरोना कल में प्रधानमंत्रीजी के 'सेवा ही संगठन' के आह्वान पर जिस तरह से भाजपा ने मानवता की सेवा में अपने-आप को झोंका, उसने बताया कि एक राजनीतिक दल समाज और देश के लिए किस तरह समर्पित भाव से काम कर सकती है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्रीजी के मार्गदर्शन में भाजपा ने 'भाजपा को जानें' (Know BJP) का कार्यक्रम चलाया है, जिसमें दुनिया के लगभग 60 देशों के राजदूतों के साथ-साथ कई देशों के विदेश मंत्री और प्रधानमंत्री भी शिरकत कर चुके हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 'सबका साथ, सबका विकास' की नीति को आधार बनाकर लास्ट माइल डिलीवरी सुनिश्चित कर रहे हैं। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े अंतिम व्यक्ति तक सरकार की नीतियों को पहुंचाना, विकास को उन तक पहुंचाना यही श्री नरेन्द्र मोदी सरकार का लक्ष्य है। प्रधानमंत्रीजी, आपने सुशासन को नया आयाम दिया। आप साल में दो बार भाजपा शासित मुख्यमंत्रियों की बैठक करते हैं और उनका मार्गदर्शन करते हैं, ताकि सरकार की नीतियों का फायदा अंतिम पायदान पर खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की प्रेरणा आपसे मिली है आदरणीय प्रधानमंत्री जी। यह हमारा सतत रूप से चलनेवाला कार्यक्रम है। इसी तरह सेवा पखवाड़ा भी हमारा सतत कार्यक्रम बन चुका है। हम हर वर्ष 17 सितंबर से लेकर 02 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाते हैं।

श्री नड्डा ने कहा कि पूरी दुनिया में भाजपा ने इस बात को पूरी दुनिया में स्थापित किया कि राजनैतिक दल का कार्य सेवा भी होता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा का ग्राफ काफी तेजी से बढ़ा है, लेकिन हम बैठनेवाले नहीं है। हम प्रधानमंत्रीजी के बताए रास्ते पर आगे चलते हुए अमृतकाल को सफल बनाएंगे और 2047 तक भारत को विकसित देश के रूप में स्थापित करने के लिए जी-जान लगा देंगे। प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व में अंत्योदय व सेवा के संकल्प से श्रेष्ठ भारत निर्माण के लिए हम सभी समर्पित हैं। ■

'अबकी बार, भाजपा 200 पार'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 26 मार्च, 2023 को भोपाल, मध्य प्रदेश में आयोजित बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को संबोधित किया और पार्टी कार्यकर्ताओं को उत्साहित करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कमर कस लेने का आह्वान किया। भोपाल में आयोजित भाजपा के बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में मध्य प्रदेश के 36 विधानसभाओं से आये बूथ अध्यक्ष उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य श्री सत्यनारायण जटिया, राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री श्री शिव प्रकाश, श्री अजय जामवाल, प्रदेश के भाजपा प्रभारी श्री मुरलीधर राव, सह-प्रभारी श्री रमाशंकर कठेरिया, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री बी.डी. शर्मा सहित अनेक वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

अपने स्वागत से अभिभूत श्री नड्डा ने कहा कि मध्य प्रदेश में 'अबकी बार, भाजपा 200 पार' इसके पश्चात् उन्होंने भोपाल में भाजपा के नए प्रदेश कार्यालय का भूमि पूजन भी किया।

श्री नड्डा ने कहा कि हम सभी भाजपा कार्यकर्ता भाग्यशाली हैं कि हमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में काम करने का अवसर मिला है। वह भी तब, जब भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। यह भाजपा की ताकत है कि हमारा बूथ अध्यक्ष सम्मेलन भी जनसभा में परिवर्तित हो जाता है। आज मैं उन कार्यकर्ताओं को नमन करता हूं जिन्होंने पार्टी के संगठन के लिए, इसके विस्तार के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया। 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के हर जिले में पार्टी का अपना कार्यालय बनाने का लक्ष्य रखा था। आज 290 कार्यालय बन चुके हैं, 115 बन रहे हैं, 123 कार्यालयों की जमीन ले ली गई है जिस पर कार्य शुरू होने वाला है। मध्य प्रदेश का नया प्रदेश कार्यालय एक मोस्ट मॉडर्न कार्यालय होगा, जिसमें 1000 से अधिक कैपेसिटी वाला सभागार और चार-चार कांफ्रेंस हॉल होगा। कार्यालय परिसर में ही सभी सुविधाएं होगी। भाजपा के लिए ये ऑफिस नहीं, बल्कि कार्यालय होते हैं जो पार्टी कार्यकर्ताओं के संस्कार के केंद्र होते हैं।

उन्होंने कहा कि जिस दिन त्रिपुरा, नागालैंड और मेघालय विधान सभा चुनाव के नतीजे आये थे, उस दिन प्रधानमंत्रीजी ने त्रिवेणी का मंत्र दिया था। पहला मंत्र है— भाजपा सरकारों के कार्य, दूसरा मंत्र है— भाजपा सरकारों की कार्य-संस्कृति और तीसरा मंत्र है— भाजपा कार्यकर्ताओं का सेवा भाव। हम जनसेवा के लिए समर्पित हैं। आज विरोधी भी हमसे टकराने में अपने आप को असमर्थ पाते हैं। यह समय गला खराब करने का नहीं, विरोधियों की हालत खराब करने का है।

श्री नड्डा ने कहा कि कांग्रेस का मतलब है— करप्शन, कमीशन, डिवीजन, भाई-भतीजावाद और परिवारवाद, जबकि भाजपा का मतलब है विकास का मिशन, समाजसेवा, महिला सशक्तीकरण, समाज का सशक्तीकरण, देश की सुरक्षा और रिपोर्ट कार्ड की संस्कृति। भाजपा ने जो कहा, उसे पूरा किया और हम जो कह रहे हैं, उसे भी पूरा करके रहेंगे।

बुद्धिजीवी वर्ग सम्मेलन

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 26 मार्च, 2023 को भोपाल, मध्य प्रदेश में आयोजित बुद्धिजीवी वर्ग सम्मेलन को संबोधित किया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के विकास एवं रिपोर्ट कार्ड की संस्कृति पर विस्तार से चर्चा की।

श्री नड्डा ने कहा कि कुछ समय से देश में राजनीति की कार्य-संस्कृति बदल गई है। पहले राजनीतिक दलों में वायदे कर वादाखिलाफी करना, मेनिफेस्टो का कोई मतलब न रहना और जनता से झूठे वादे करना राजनीतिक दलों की संस्कृति बन गई थी। लेकिन, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की राजनैतिक कार्य-संस्कृति को बदलकर रख दिया है। उन्होंने जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टीकरण की राजनीति की जगह विकासवाद की संस्कृति प्रतिष्ठित की है। पहले कांग्रेस दूसरों को आपस में लड़ाकर राजनैतिक रोटियां सेंकती रहती थी। एक धर्म को दूसरे धर्म से, एक जाति को दूसरी जाति से लड़ाती रहती थी, लेकिन आज सबका साथ, सबका विकास हो रहा है। आज जनता को विश्वास है कि भाजपा जो कहती है, उसे पूरा करके दिखाती है क्योंकि हमने जो कहा है, उसे पूरा किया है। आज देश की जनता को भाजपा और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी में अटूट विश्वास है। ■

कार्यालय की आत्मा हमारे कार्यकर्ता हैं : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 28 मार्च, 2023 को नई दिल्ली में भाजपा के केंद्रीय कार्यालय के निकट ही दीनदयाल मार्ग पर नवनिर्मित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय विस्तार (3B, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली) का लोकार्पण किया। प्रधानमंत्रीजी ने नवनिर्मित केंद्रीय कार्यालय विस्तार का निरीक्षण भी किया और भवन निर्माण में शामिल रहे श्रमवीरों के साथ बातचीत भी की और उनके साथ बैठकर तस्वीरें भी खिंचवाईं। उन्होंने कार्यालय में अंत्योदय के प्रणेता और महान चिंतक पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी की आदमकद प्रतिमा का भी अनावरण किया। उन्होंने केंद्रीय कार्यालय विस्तार के सभी परिसरों का भी लोकार्पण किया और इसके पश्चात् इस नवनिर्मित भवन के सभागार में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दीप प्रज्वलित कर विधिवत इस केंद्रीय कार्यालय के विस्तार का लोकार्पण किया। साथ ही, प्रधानमंत्रीजी ने जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। कार्यक्रम के मंच पर प्रधानमंत्रीजी एवं भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्षजी के साथ-साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मुरली मनोहर जोशी, केंद्रीय परिवहन एवं सड़क मंत्री और पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी तथा पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह भी उपस्थित थे

भाजपा के नवनिर्मित केंद्रीय कार्यालय विस्तार के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भाजपा मुख्यालय के विस्तार का लोकार्पण आज भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं के लिए विशेष दिन है। मैं देश भर के सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं। मैंने पार्टी के केंद्रीय कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर कहा था कि इस कार्यालय की आत्मा हमारे कार्यकर्ता हैं।

परिश्रम की पराकाष्ठा की यात्रा

श्री मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय का विस्तार केवल एक भवन का विस्तार नहीं है, बल्कि ये प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता के सपनों का विस्तार है, ये भाजपा के सेवा के संकल्प का विस्तार है। अजमेरी गेट के ऑफिस से लेकर दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर स्थित भाजपा के केंद्रीय कार्यालय का सफर एक तरह से हमारी पार्टी की प्रगति की प्रतीक भी है। मैं आज के दिन पार्टी के कोटि-कोटि कार्यकर्ताओं के चरणों को प्रणाम करता हूं। मैं पार्टी के सभी संस्थापक मनीषियों को सर झुकाकर नमन करता हूं।

उन्होंने कहा कि आज से कुछ दिन बाद ही हमारी पार्टी अपना 44वां स्थापना दिवस मनाएगी। ये यात्रा एक अथक और अनवरत यात्रा है। ये यात्रा परिश्रम की पराकाष्ठा की यात्रा है। ये यात्रा समर्पण और संकल्पों के शिखर की यात्रा है। ये यात्रा पार्टी के विचार और पार्टी की विचारधारा के विस्तार की यात्रा है। ये यात्रा, ये विस्तार, अपने-आप में बहुत प्रेरणादायी है।

उन्होंने कहा कि हम वो दल हैं जिसने इमरजेंसी के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए खुद अपने दल को ही देशहित में आहूत करने में संकोच नहीं किया। 1984 में जो हुआ, देश कभी उस काले पृष्ठ को भूल नहीं सकता। उसके बाद बने भावनाओं से भरे हुए माहौल में कांग्रेस को ऐतिहासिक बहुमत मिला। उस आंधी में हम भी लगभग पूरी तरह से ख़त्म हो गए थे, लेकिन हम हताश नहीं हुए, हम निराश नहीं हुए। हमने किसी और में दोष ढूंढने में कोशिश नहीं की, आरोप-प्रत्यारोप में नहीं पड़े। हम चले गए पुनः जनता-जनार्दन के बीच, जमीन पर काम किया, संगठन को मजबूत किया और तब जाकर आज हम यहां तक पहुंचे हैं।

भाजपा एकमात्र अखिल भारतीय पार्टी

श्री मोदी ने कहा कि 2 लोकसभा सीटों के साथ शुरू हुआ भारतीय जनता पार्टी का सफर 2019 में 303 सीटों तक पहुंच गया है। आज कई राज्यों में हमें 50 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिलते हैं। आज उत्तर से दक्षिण तक, पश्चिम से पूरब तक भाजपा एकमात्र अखिल भारतीय पार्टी है।

उन्होंने कहा कि भाजपा भारत की सबसे भविष्यमान (Futuristic) पार्टी है। परिवार के कब्जे वाली पार्टियों (Family Run Parties) के बीच, भाजपा ऐसा राजनीतिक दल है जो युवाओं को आगे आने का मौका देती है। आज भारत की माताओं-बहनों-बेटियों का आशीर्वाद जिस पार्टी के साथ है, वो केवल और केवल भारतीय जनता पार्टी है।

उन्होंने कहा कि हमारा एक ही लक्ष्य है— भविष्य के आधुनिक और विकसित भारत का निर्माण करना। इसके लिए हमारे पास आधुनिक सोच भी होने चाहिए, आधुनिक संसाधन भी होने चाहिए। हमें भाजपा को एक ऐसी संस्था के रूप में विकसित करना है जिसके पास अगले 10 साल, 20 साल, अगले 50 साल के लक्ष्य निर्धारित हों। तीन आदतें हर कर्तव्यनिष्ठ कार्यकर्ता, हर भाजपा सदस्य के स्वभाव में होनी चाहिए। पहला— अध्ययन, दूसरा— आधुनिकता और तीसरा- विश्व भर से अच्छी बातों को आत्मसात करने की शक्ति।

उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यालय का विस्तार पार्टी की उस परम्परा का केंद्र बनेगी और बननी चाहिए। यहां अध्ययन की व्यवस्था भी है, आधुनिकता भी है और विश्व भर का अनुभव प्राप्त करने की आकांक्षा भी है। मुझे विश्वास है भाजपा का आधुनिक कार्यालय विस्तार निरंतर इन सपनों संकल्पों के लिए अविरल प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

उन्होंने कहा कि आज भाजपा की तुलना दुनिया की उन ऐतिहासिक पार्टियों से होने लगी है, जिन्होंने अपने शासन काल में अपने देश का भाग्य बदल दिया। आज भाजपा की पहचान दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक दल के तौर पर होने लगी है।

भारत के सामर्थ्य को सशक्त करने का संकल्प

श्री मोदी ने कहा कि यह समय भाजपा सरकार के विकास कार्यों की वजह से आया है। भाजपा वह दल है जो भारत के महत्त्व को, भारत के सामर्थ्य को सशक्त करने के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहा है। हम 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। मुझे यह देखकर ख़ुशी होती है कि दुनिया के कई सारे नेता हमारी भाषा से परिचित नहीं हैं लेकिन वे 'सबका साथ, सबका विकास' के इस मंत्र को दोहराने का प्रयास करते हैं। वे अपनी-अपनी भाषाओं में उसका अनुवाद भी करते हैं।

उन्होंने कहा कि आज हमारा नॉर्थ-ईस्ट 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास'के मंत्र का बेहतरीन उदाहरण है। आज, नॉर्थ-ईस्ट में भाजपा के 4 मुख्यमंत्री हैं, 12 अन्य राज्यों में हमारे गठबंधन की सरकारें हैं। इस सफलता का बड़ा श्रेय भाजपा के कार्यकर्ताओं को भी जाता है।

उन्होंने कहा कि इसी परिश्रम की वजह से आज दक्षिण भारत में भी दूर-दूर तक पार्टी का विस्तार हो रहा है। कर्नाटक में भाजपा इतने वर्षों से मजबूत स्थिति में है। आज भी कर्नाटक में हम नंबर वन हैं। तेलंगाना में भी लोगों का एकमात्र भरोसा सिर्फ और सिर्फ भाजपा पर है। आंध्र प्रदेश में लोगों का भाजपा पर विश्वास दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। तमिलनाडु और केरल में भाजपा हर जिले में और हर बूथ पर दिनों-दिन मजबूत हो रही है।

भाजपा का स्वभाव है— नूतनता और आधुनिकता

श्री मोदी ने कहा कि भाजपा को जानने के लिए उसके स्वभाव को भी समझना जरूरी है। भाजपा का स्वभाव है— नूतनता और आधुनिकता! नूतनता हमारी निष्ठा है और आधुनिकता हमारी अवधारणा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सोशल मीडिया चैनलों से पैदा नहीं हुई है, भाजपा अपने कार्यकर्ताओं के त्याग-तपस्या के बल पर खड़ी हुई है, संघर्षों में तपकर आगे बढ़ी है, जनता-जनार्दन के लिए काम करने के कारण यहां तक पहुंची है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल चुनाव लड़ने और जीतने तक सीमित नहीं है। भाजपा एक व्यवस्था है, भाजपा एक विचार है, भाजपा एक संगठन है और भाजपा एक आंदोलन है। भाजपा विकास की भी प्राणशक्ति है और भाजपा बदलाव की भी प्राणशक्ति है।

श्री मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने सियासत की सोच को बदला है, और समावेश के नए मानकों को जन्म दिया है। आज पूरे भारत में भाजपा सरकारें, आकांक्षा, विकास और प्रगति का पर्याय बन रही हैं। ये भाजपा ब्रांड ऑफ गवर्नेंस है। आज हम भले ही सत्ता के शिखर पर हैं, लेकिन हमारे पांव आज भी उतने ही जमीन पर हैं जितने 1980 में हुआ करते थे। ■

भाजपा जन-कल्याण के लिए समर्पित भाव से काम करती रहेगी : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय विस्तार के लोकार्पण अवसर पर 28 मार्च, 2023 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा श्री नड्डा ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का हमें सदैव मार्गदर्शन मिलता रहता है। मैं प्रधानमंत्रीजी का अपनी ओर से और पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं की ओर से स्वागत एवं अभिनंदन करता हूं। आज विपक्ष के साथ-साथ पूरी दुनिया उनके नेतृत्व की कोटि-कोटि सराहना कर रही है। ये सौभाग्य की बात है कि हम उनके नेतृत्व में काम कर रहे हैं। उनके दिलों में हमेशा ये बात रहती है कि भाजपा कैसे आगे बढ़े, कैसे कमल और अधिक खिले, हमारी विचारधारा कैसे और आगे बढ़े। इस दिशा में हमें सदैव उनका मार्गदर्शन मिलता रहा है।

श्री नड्डा ने कहा कि मुझे ये कभी महसूस नहीं हुआ कि हम प्रधानमंत्रीजी का समय ले रहे हैं, क्योंकि पार्टी के लिए जब भी जरूरत हुई, उन्होंने हमेशा आगे बढ़कर सहयोग किया और आगे बढ़ने की दिशा दिखाई। वे देश के प्रधानमंत्री हैं, लेकिन उनके दिल में एक संगठन मंत्री हमेशा बसा हुआ है।

उन्होंने कहा कि भाजपा के केंद्रीय कार्यालय विस्तार का लोकार्पण अवसर हमारे लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। आज से 20 साल बाद भी आप गौरव से कह सकेंगे कि जिस दिन कार्यालय विस्तार का लोकार्पण हुआ, उस दिन मैं भी इसका साक्षी रहा हूं।

उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री पद को सुशोभित करने से पहले से श्री नरेन्द्र मोदी की प्रबल इच्छा थी कि पार्टी का अपना केंद्रीय कार्यालय होना चाहिए। देश के प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने के बाद उन्होंने राष्ट्रीय कार्यालय के साथ-साथ पार्टी के अपने प्रदेश कार्यालय और जिला कार्यालयों के निर्माण का संकल्प रखा था। उस वक्त श्री अमित भाई शाह हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। उन्होंने इसे मिशन मोड में शुरू किया और कार्यालय निर्माण के लिए वृहद् योजना बनाई। प्रदेश कार्यालय और जिला कार्यालय मिलाकर कुल 887 कार्यालयों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया था। आज मुझे यह कहते हुए ख़ुशी हो रही है कि इसमें से 499 कार्यालयों का लोकार्पण हो चुका है, 115 कार्यालयों का निर्माण कार्य जारी है और बाकी पर भी तेज गति से कार्य जारी है। देश के साथ-साथ प्रधानमंत्रीजी पार्टी को भी आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

श्री नड्डा ने कहा कि कोरोना काल में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पार्टी के लिए 'सेवा ही संगठन' का आह्वान किया। उनके आह्वान पर पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ता मानवता की सेवा के दुनिया के सबसे बड़े यज्ञ में अपने प्राणों की परवाह न करते हुए जुट गए। हम उनके जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मनाते हैं। भारतीय जनता पार्टी का एक सामाजिक पक्ष भी है। हम सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ते हैं। 06 अप्रैल को भाजपा का 44वां स्थापना दिवस है। उस दिन से लेकर बाबासाहब भीमराव अंबेडकरजी की जन्मजयंती 14 अप्रैल तक भाजपा 'सेवा सप्ताह' मनाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से भाजपा ने 'भाजपा को जानो' (Know BJP) की पहल शुरू की है। अब तक लगभग 56 देशों के राजदूत भाजपा को जाननें-समझने के लिए पार्टी कार्यालय आ चुके हैं। साथ ही, 5 देशों के विदेश मंत्री, वित्त मंत्री और पीएम भी पार्टी के केंद्रीय कार्यालय आए हैं। अब भाजपा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दूसरे देशों के साथ पार्टी-टू-पार्टी के संबंधों पर काम कर रही है। हमारे डेलिगेशन दूसरे देश जा रहे हैं, उनके डेलिगेशन यहां आ रहे हैं और हमारे संबंध इस स्तर पर भी विकसित हो रहे हैं।

श्री नड्डा ने कहा कि आदरणीय अमित भाई शाह ने कल्पना रखी थी कि पार्टी का अपना एक अत्याधुनिक रिसर्च सेंटर होना चाहिए। यहां हमारी विचारधारा और हमारे संस्कारों से युक्त उच्च गुणवत्ता वाला रिसर्च सेंटर भी बनेगा। मैं एक बार पुनः आदरणीय प्रधानमंत्रीजी का यहां अभिनंदन और स्वागत करता हूं तथा उन्हें विश्वास दिलाता हूं कि पार्टी उनके मार्गदर्शन में जन-कल्याण के लिए समर्पित भाव से काम करती रहेगी। ■

'ये कार्यालय पार्टी कार्यकर्ताओं के सपनों का विस्तार हैं'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 13 अप्रैल, 2023 को नई दिल्ली से तेलंगाना के कंडी, संगारेड्डी, जनगमा, वारंगल, भुपालपल्ली, महबूबाबाद और आंध्र प्रदेश के अनंतपुर एवं चित्तूर जिला भाजपा कार्यालयों का वर्चुअल उद्घाटन किया और कार्यालय को भाजपा का संस्कार केंद्र बताया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री एवं तेलंगाना के प्रभारी श्री तरुण चुघ, राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती डी. पुरंदेश्वरी, राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री श्री शिव प्रकाश, भाजपा संसदीय दल सदस्य श्री के. लक्ष्मण, पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री मुरलीधर राव, श्री जी. किशन रेड्डी, तेलंगाना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री बंदी संजय कुमार, आंध्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सोमवीर राजू एवं श्री अरविंद मेनन उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना के भाजपा कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि ये सभी पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए आनंद का विषय है कि एक साथ तेलंगाना के छह और आंध्र प्रदेश के दो जिला भाजपा कार्यालयों का उद्घाटन आज हो रहा है। 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय कार्यालय के साथ-साथ पार्टी के अपने प्रदेश कार्यालय और जिला कार्यालयों के निर्माण का संकल्प रखा था। तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित भाई शाह ने इस कार्य को मिशन मोड में शुरू किया। राष्ट्रीय कार्यालय, प्रदेश कार्यालय और जिला कार्यालय मिलाकर कुल 887 कार्यालयों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया था 507 जिला कार्यालयों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, 108 का निर्माण कार्य जारी है और शेष कार्यालयों पर भी कार्य अग्रसर है। ये कार्यालय केवल भवन नहीं हैं, बल्कि पार्टी कार्यकर्ताओं के सपनों का विस्तार है, पार्टी की विचारधारा का विस्तार है, 'सेवा ही संगठन' के संकल्प का विस्तार है। मैं आज के दिन अपने उन मनीषी कार्यकर्ताओं को भी नमन करता हूं, जिन्होंने अपने त्याग, तपस्या और बलिदान से पार्टी को सींचा है। एक पार्टी के लिए पांच 'क' का होना अत्यंत जरूरी है। ये हैं— कार्यकर्ता, कार्यक्रम, कार्यकारिणी, कोष और कार्यालय। आज हमारे पास ये सब हैं। ■

कर्नाटक विधानसभा चुनाव की तिथियां घोषित

भारतीय चुनाव आयोग ने 29 मार्च, 2023 को कर्नाटक विधानसभा चुनाव की तिथियों की घोषणा की। राज्य में एक चरण में 10 मई को मतदान होगा और 13 मई को परिणाम की घोषणा की जाएगी। राज्य में कुल 224 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव होने हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि चुनाव के लिए अधिसूचना 13 अप्रैल को जारी की जाएगी। 20 अप्रैल को नामांकन, 21 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच, 24 अप्रैल को नाम वापसी और 10 मई को मतदान होगा। कर्नाटक विधानसभा का कार्यकाल 25 मई को समाप्त होने वाला है।

मतदाता सूची के अनुसार राज्य में 5.21 करोड़ से अधिक मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें से 5.55 लाख विकलांग मतदाता हैं। कर्नाटक में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए 224 विधानसभा क्षेत्रों में 58,282 मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। प्रति मतदान केन्द्र औसतन 883 मतदाता हैं। 50 प्रतिशत मतदान केंद्रों में वेबकास्टिंग की सुविधा है। बेहतर मतदाता अनुभव के लिए 1320 मतदान केंद्रों का प्रबंधन महिला अधिकारियों द्वारा किया जाएगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों और विकलांग मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान केंद्र पर सभी व्यवस्थाएं की जाएंगी। पहली बार कर्नाटक में 12.15 लाख मतदाता (80 वर्ष से अधिक उम्र) और 5.55 लाख बेंचमार्क दिव्यांग मतदाताओं के लिए होम वोटिंग की सुविधा भी है। वोट फ्रोम होम की सुविधा की वीडियोग्राफी की जाएगी। कर्नाटक में चुनाव में इस बार 9.17 लाख से अधिक पहली बार मतदान करने वाले मतदाता हैं। ■

संगठनात्मक नियुक्तियां

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने 29 मार्च, 2023 को श्री सुनील ओझा को बिहार प्रदेश भारतीय जनता पार्टी का सह-प्रभारी नियुक्त किया। श्री ओझा अभी तक भाजपा, उत्तर प्रदेश के सह-प्रभारी के रूप में कार्यरत थे। इसके साथ ही, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री श्री डॉ. महेन्द्र सिंह को जालंधर (पंजाब) में होनेवाले आगामी लोकसभा उपचुनाव के लिए चुनाव प्रभारी नियुक्त किया। ■

'मोदी सरकार मिज़ोरम के विकास के लिए कटिबद्ध'

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने एक अप्रैल को मिज़ोरम की राजधानी आइज़ॉल में 2,415 करोड़ रुपये के अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण एवं उद्घाटन किया। इस अवसर पर मिज़ोरम के मुख्यमंत्री श्री ज़ोरामथांगा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में श्री शाह ने कहा कि आज मिज़ोरम के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है, क्योंकि आज यहां असम राइफल्स के नए बटालियन मुख्यालय का उद्घाटन हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार और मिज़ोरम सरकार राज्य की जनता की सेवा के प्रति कटिबद्ध हैं और इसी दिशा में आज यहां लगभग 2500 करोड़ रुपये की अलग-अलग 11 योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास हुआ है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि मिज़ोरम के सर्वांगीण विकास के लिए लगभग 1200 करोड़ रुपये की लागत से 4 नई सड़क परियोजनाओं का भी आज यहां शिलान्यास हुआ है, जिससे मिज़ोरम के उद्योग और व्यापार और मिज़ोरम और म्यांमार के बीच व्यापार में भी काफी वृद्धि होगी।

श्री शाह ने कहा कि एक ज़माने में यहां संघर्ष होता था और गोलियां चलती थीं और आज श्री ज़ोरामथांगा जी यहां के मुख्यमंत्री हैं, यही भारत के लोकतंत्र की सफलता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने नॉर्थईस्ट में थोड़े-बहुत हिंसा में लिप्त संगठनों से मेनस्ट्रीम में आने, लोकतांत्रिक प्रक्रिया हिस्सा बनने और भारत और नॉर्थईस्ट के विकास में योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि आज मिज़ोरम में जो शांति स्थापित हुई है, वो भारत के लोकतंत्र की सफलता का एक अभूतपूर्व उदाहरण है।

श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज पूरा नॉर्थईस्ट शांति, स्थिरता और विकास के नए रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक समय में नॉर्थईस्ट में उग्रवादी समूहों द्वारा हिंसा फैलायी जा रही थी, रेल, सड़क और हवाई संपर्क की कमी थी और विकास का नामोनिशान नहीं था, लेकिन पिछले 9 सालों में मोदीजी के नेतृत्व में भारत सरकार के प्रयासों और नॉर्थईस्ट की जनता के सहयोग से पूर्वोत्तर में शांति आई है, कनेक्टिविटी बढ़ी है और भारत के अन्य हिस्सों जितना ही विकास हुआ है। श्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार पूरे पूर्वोत्तर को विवादमुक्त, उग्रवादमुक्त और शांति से युक्त बनाने के प्रयास कर रही है। ■

'बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति दयनीय है'

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने दो अप्रैल, 2023 को नवादा, बिहार के हिसुआ स्थित इंटर विद्यालय के मैदान में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया और बिहार की बदहाल कानून-व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को आड़े हाथों लेते हुए राजद-जदयू-कांग्रेस की सरकार पर जमकर हमला बोला। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं विधान परिषद् में नेता प्रतिपक्ष श्री सम्राट चौधरी, केंद्रीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह, केंद्रीय मंत्री श्री नित्यानंद राय, केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी चौबे, केंद्रीय मंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे, संगठन महामंत्री श्री भीखूभाई दलसानिया, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल, बिहार प्रदेश भाजपा सह प्रभारी श्री हरीश द्विवेदी एवं श्री सुनील ओझा सहित कई वरिष्ठ पार्टी नेता एवं पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे।

जनसैलाब को संबोधित करते हुए श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा के प्रति बिहार की जनता के विश्वास, प्यार और समर्थन से स्पष्ट है कि आगामी लोकसभा चुनाव में बिहार की सभी 40 की 40 सीटों पर कमल खिलेगा और 2025 के विधानसभा चुनाव में भी पूर्ण बहुमत से बिहार में भाजपा की सरकार बनेगी।

उन्होंने कहा कि बिहार की महागठबंधन सरकार बुरी नीयत और बुरी नीति वाली सरकार है। बिहार की राजद-जदयू-कांग्रेस सरकार एक 'BAD' सरकार है - B से भ्रष्टाचार, A से अराजकता और D से दमन। मतलब, बिहार की महागठबंधन सरकार भ्रष्टाचार, अराजकता और दमन की प्रतीक एक 'बैड' सरकार है। इस बुरी सरकार को उखाड़ फेंकने का मन बिहार की जनता ने बना लिया है।

उन्होंने कहा कि बिहार की महागठबंधन सरकार के सहयोगी विधायक भी हर रोज नीतीश कुमार का विरोध कर रहे हैं, क्योंकि वे भी जनता के विरोध का सामना कर रहे हैं। मैं आज बिहार की जनता को स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि नीतीश कुमार और जदयू के लिए एनडीए के दरवाजे हमेशा हमेशा के लिए बंद हो चुके हैं। बिहार की जनता भी चाहती है कि नीतीश कुमार को वापस एनडीए में नहीं लिया जाए।

श्री शाह ने कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति दयनीय है। बिहारशरीफ, नालंदा, सासाराम— हर जगह आग लगी हुई है। समग्र बिहार इसकी चिंता कर रहा है। आप एक बार बिहार में भाजपा की पूर्ण बहुमत सरकार बना दीजिये, हमारी सरकार दंगा करने वालों को उलटा लटका कर सीधा करने का काम करेगी। हम तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति नहीं करते। हमारे शासन में दंगे नहीं होते। ■

सुप्रीम कोर्ट में विपक्ष को बड़ा झटका

कोर्ट ने 14 विपक्षी पार्टियों की याचिका खारिज की

एक याचिका जिसमें 14 विपक्षी दलों द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर अपनी शक्ति का दुरुपयोग करने और अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को परेशान करने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों का उपयोग करने का आरोप लगाया गया था, को सुप्रीम कोर्ट ने 05 अप्रैल, 2023 को खारिज कर दिया था।

याचिकाकर्ताओं में कांग्रेस के अलावा, द्रमुक, राजद, बीआरएस, तृणमूल कांग्रेस, आप, राकांपा, शिवसेना (यूबीटी), झामुमो, जद (यू), माकपा, भाकपा, समाजवादी पार्टी और जम्मू-कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस जैसे दल शामिल थे।

याचिका में दावा किया गया था कि 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से विपक्षी नेताओं के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज मामलों की संख्या में 'भारी वृद्धि' हुई है।

मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पर्दीवाला की पीठ ने याचिका पर विचार करने के लिए अनिच्छा व्यक्त की और कहा कि अदालतें हमेशा राजनीतिक नेताओं की शिकायतें भी उसी प्रकार सुनती आयी है जैसे वे आम नागरिकों की शिकायतों का संज्ञान लेती हैं। राजनीतिक नेताओं को आम नागरिकों की तुलना में विशिष्ट अधिकार प्राप्त नहीं है... एक बार जब हम यह स्वीकार कर लेते हैं कि राजनीतिक नेता पूरी तरह से आम नागरिकों के समान हैं, जिनके पास कोई विशिष्ट अधिकार नहीं है, तो हम कैसे कह सकते हैं कि 'ट्रिपल टेस्ट' के बिना कोई गिरफ्तारी नहीं हो सकती।

प्रमुख बिंदु

- भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने याचिका की वैधता और व्यवहार्यता पर संदेह व्यक्त किया।
- उन्होंने अधिवक्ता से पूछा कि क्या वह जांच और अभियोजन से विपक्षी दलों के लिए प्रतिरक्षा की मांग कर रहे हैं और क्या उनके पास नागरिकों के रूप में कोई विशेष अधिकार हैं।
- मुख्य न्यायाधीश विपक्ष के तर्क से सहमत नहीं थे और उन्होंने कहा कि याचिका अनिवार्य रूप से राजनेताओं के लिए एक याचिका थी।
- खंडपीठ ने कहा कि राजनीतिक नेताओं को आम नागरिकों की तुलना में विशिष्ट अधिकार प्राप्त नहीं है।
- राजनीतिक व्यक्ति भी नागरिक हैं और एक नागरिक के रूप में वे समान नियमों के अधीन हैं।
- पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) (भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) के तहत मीडिया के पास भी विशिष्ट शक्तियां नहीं हैं।
- कोर्ट के रवैये को देखते हुए राजनीतिक दलों की ओर से पेश अधिवक्ता ए.एम. सिंघवी ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। ■

40 प्रतिशत गांवों ने खुद को किया ओडीएफ प्लस घोषित

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने 31 मार्च को स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण चरण- II के तहत केवल एक वर्ष में भारत में ओडीएफ प्लस गांवों में पांच गुना वृद्धि की उपलब्धि की सराहना की, जिसमें भारत के 40 प्रतिशत गांवों ने खुद को ओडीएफ प्लस घोषित किया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ओडीएफ प्लस गांव मार्च, 2022 में 46,121 (7.4 प्रतिशत) से बढ़कर मार्च, 2023 में 2,38,973 गांव (40.21 प्रतिशत) हो गए। श्री शेखावत ने आगे कहा कि इनमें से 2,38,973 ओडीएफ प्लस गांवों में 1,60,709 ओडीएफ प्लस आकांक्षी श्रेणी में, 27,409 ओडीएफ प्लस राइजिंग श्रेणी में और 50,855 ओडीएफ प्लस मॉडल श्रेणी में हैं।

श्री शेखावत ने मार्च, 2022 में केवल 46,480 की तुलना में 2.38 लाख से अधिक ओडीएफ प्लस गांव होने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की सराहना की। संयुक्त राष्ट्र जल सम्मेलन 2023 में अपनी हालिया भागीदारी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने दुनिया भर में पहचान अर्जित की है और स्वच्छता के क्षेत्र में इसे रोल मॉडल माना जाता है। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, जिसने पूरे ग्रामीण भारत में स्वच्छता की पहुंच सुनिश्चित की, वास्तव में एक गेम चेंजर रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने यह भी घोषणा की कि सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की वार्षिक कार्यान्वयन योजनाओं (एआईपी) पर विचार करने के लिए 28 मार्च, 2023 को हुई राष्ट्रीय योजना स्वीकृति समिति (एनएसएससी) ने राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों के बजट को मंजूरी दे दी है। इसके तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए एसबीएम-जी चरण-II की गतिविधियों के लिए 52,049 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए केंद्रीय शेयर कोष में 14,030 करोड़ रुपये के अस्थायी आवंटन को लेकर राज्यों को सूचित कर दिया गया है। ■

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 22 प्रतिशत बढ़कर 18.10 लाख करोड़ रुपये रहा

लगातार 12 महीनों के लिए मासिक जीएसटी राजस्व संग्रह 1.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक; पूरे वर्ष के लिए औसत सकल मासिक संग्रह 1.51 लाख करोड़ रुपये रहा

केन्द्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा एक अप्रैल को जारी विज्ञप्ति के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 के लिए सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 18.10 लाख करोड़ रुपये रहा और पूरे वर्ष के लिए औसत सकल मासिक संग्रह 1.51 लाख करोड़ रुपये है। 2022-23 में सकल जीएसटी राजस्व पिछले वर्ष की तुलना में 22% अधिक है। वित्त वर्ष 2022-23 की अंतिम तिमाही के लिए औसत मासिक सकल जीएसटी संग्रह 1.55 लाख करोड़ रुपये है जबकि पहली, दूसरी और तीसरी तिमाही में औसत मासिक संग्रह क्रमशः 1.51 लाख करोड़ रुपये, 1.46 लाख करोड़ रुपये और 1.49 लाख करोड़ रुपये रहा।

उल्लेखनीय है कि मार्च, 2023 के महीने में सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 1,60,122 करोड़ रुपये रहा, जिसमें सीजीएसटी 29,546 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 37,314 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 82,907 करोड़ रुपये (वस्तुओं के आयात पर संग्रहित 42,503 करोड़ रुपये सहित) और उपकर 10,355 करोड़ रुपये (वस्तुओं के आयात पर संग्रहित 960 करोड़ रुपये सहित) है। चालू वित्त वर्ष में यह चौथी बार है, जब सकल जीएसटी संग्रह 1.5 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया, जो जीएसटी लागू होने के बाद से दूसरा सबसे बड़ा संग्रह है। इस महीने में अब तक का सबसे ज्यादा आईजीएसटी संग्रह हुआ है।

केंद्र सरकार ने नियमित निपटान के रूप में आईजीएसटी से सीजीएसटी में 33,408 करोड़ रुपये और एसजीएसटी में 28,187 करोड़ रुपये का निपटान किया है। आईजीएसटी निपटान के बाद मार्च, 2023 में केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व सीजीएसटी के लिए 62,954 करोड़ रुपये और एसजीएसटी के लिए 65,501 करोड़ रुपये है।

मार्च, 2023 के महीने का राजस्व पिछले साल इसी महीने में जीएसटी राजस्व से 13% अधिक है। इस महीने के दौरान पिछले साल इसी महीने की तुलना में माल के आयात से राजस्व 8% अधिक है और घरेलू लेनदेन (सेवाओं के आयात सहित) से राजस्व 14% अधिक है। मार्च, 2023 के दौरान रिटर्न दाखिल करने की संख्या अब तक की सबसे ज्यादा है। फरवरी के 93.2% इनवॉयस विवरण (जीएसटीआर-1 में) और 91.4% रिटर्न (जीएसटीआर-3बी में) मार्च, 2023 तक दाखिल किए गए, जबकि पिछले साल इसी महीने में ये क्रमशः 83.1% और 84.7% थे। ■

वित्त वर्ष 2022-23 में प्रत्यक्ष करों का सकल संग्रह 20.33 प्रतिशत बढ़कर 19.68 लाख करोड़ रुपये रहा

वित्त वर्ष 2022-23 में प्रत्यक्ष करों का शुद्ध संग्रह 17.63 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 16.61 लाख करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में कुल 3,07,352 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया

केन्द्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा तीन अप्रैल को जारी एक बयान के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 में प्रत्यक्ष करों का सकल संग्रह (अनंतिम) (रिफंड का समायोजन करने से पहले) 19.68 लाख करोड़ रुपये का रहा, जो कि वित्त वर्ष 2021-22 में हुए 16.36 लाख करोड़ रुपये के सकल संग्रह से 20.33 प्रतिशत अधिक है।

वित्त वर्ष 2022-23 में प्रत्यक्ष करों के संग्रह के अनंतिम आंकड़ों से यह पता चला कि इस दौरान शुद्ध संग्रह 16.61 लाख करोड़ रुपये का रहा, जो कि पिछले वित्त वर्ष यानी वित्त वर्ष 2021-22 में हुए 14.12 लाख करोड़ रुपये के संग्रह से 17.63 प्रतिशत अधिक है।

वित्त वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट में प्रत्यक्ष कर राजस्व के लिए बजट अनुमान (बीई) 14.20 लाख करोड़ रुपये तय किया गया था, जिसे बाद में संशोधित किया गया और संशोधित अनुमान (आरई) 16.50 लाख करोड़ रुपये तय किया गया था। प्रत्यक्ष करों का अनंतिम संग्रह (रिफंड के समायोजन के बाद) बीई से 16.97 प्रतिशत और संशोधित अनुमान से 0.69 प्रतिशत अधिक रहा है।

वित्त वर्ष 2022-23 में कॉरपोरेट कर का सकल संग्रह (अनंतिम) 10,04,118 करोड़ रुपये का रहा, जो कि पिछले वर्ष हुए 8,58,849 करोड़ रुपये के सकल कॉरपोरेट कर संग्रह से 16.91 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2022-23 में व्यक्तिगत आयकर का सकल संग्रह (एसटीटी सहित) (अनंतिम) 9,60,764 करोड़ रुपये का रहा, जो कि पिछले वर्ष हुए 7,73,389 करोड़ रुपये के सकल व्यक्तिगत आयकर संग्रह (एसटीटी सहित) से 24.23 प्रतिशत अधिक है।

वित्त वर्ष 2022-23 में 3,07,352 करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए, जो कि वित्त वर्ष 2021-22 में जारी किए गए 2,23,658 करोड़ रुपये के रिफंड से 37.42 प्रतिशत अधिक है। ■

देश के 60 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को मिल रहा है 'नल से स्वच्छ पेयजल'

अगस्त, 2019 में 'जल जीवन मिशन' की शुरुआत के समय 19.43 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से केवल 3.23 करोड़ (16.65 प्रतिशत) परिवारों के पास ही नल का पानी उपलब्ध था, जबकि अब 11.66 करोड़ घरों (60 प्रतिशत) और 58 करोड़ लोगों को घर में नल कनेक्शन के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा चार अप्रैल को जारी एक बयान के अनुसार इस समय देश के 60 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। भारत में 1.55 लाख से अधिक गांवों (कुल गांवों की संख्या का 25 प्रतिशत) को अब 'हर घर जल' पहुंच रहा है यानी इन गांवों के प्रत्येक घर के अपने परिसर में नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल की सुविधा उपलब्ध है। चालू वर्ष में जनवरी से मार्च, 2023 तक जल जीवन मिशन के तहत प्रति सेकंड एक नल कनेक्शन प्रदान किया गया है। यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, जिसमें वर्ष 2023 के पहले तीन महीनों के दौरान प्रतिदिन औसत रूप से 86,894 नए नल जल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त, 2019 को 'जल जीवन मिशन' की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य सभी ग्रामीण परिवारों को नियमित और दीर्घकालिक आधार पर पर्याप्त मात्रा में (55 एलपीसीडी) पर्याप्त

दबाव के साथ निर्धारित गुणवत्ता का पानी उपलब्ध कराना है। 'जल जीवन मिशन' की समग्र वित्तीय प्रतिबद्धता 3600 बिलियन (43.80 बिलियन अमेरिकी डॉलर) रुपये है, जो इसे विश्व का एक सबसे बड़ा कल्याणकारी कार्यक्रम बनाती है।

गौरतलब है कि अगस्त, 2019 में 'जल जीवन मिशन' की शुरुआत के समय 19.43 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से केवल 3.23 करोड़ (16.65 प्रतिशत) परिवारों के पास ही नल का पानी उपलब्ध था, जबकि इस समय 11.66 करोड़ (60 प्रतिशत) से अधिक ग्रामीण परिवारों को उनके घरों में 'नल से जल' की आपूर्ति हो रही है। 5 राज्यों गुजरात, तेलंगाना, गोवा, हरियाणा और पंजाब और 3 केंद्रशासित प्रदेशों— अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दमन दीव एवं दादरा नगर हवेली और पुडुचेरी ने शत-प्रतिशत कवरेज हासिल कर ली है।

'जल जीवन मिशन' को लागू करने की गति और उसका पैमाना अभूतपूर्व रहा है। केवल 3 वर्षों में 40 करोड़ से अधिक लोगों के साथ 8.42 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवार (आईएमआईएस स्रोत के अनुसार 4.95 व्यक्ति प्रति ग्रामीण परिवार) कार्यक्रम के तहत लाभान्वित हुए हैं। यह संख्या संयुक्त राज्य अमेरिका की 33.1 करोड़ जनसंख्या से अधिक है और यह ब्राजील की 21 करोड़ और नाइजीरिया की 20 करोड़ जनसंख्या से लगभग दोगुनी है और मेक्सिको की 12.8 करोड़ और जापान की 12.6 करोड़ जनसंख्या से तीन गुना से भी अधिक है। ■

वित्त वर्ष 2022-2023 में 'गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेस' से 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वस्तुओं और सेवाओं की हुई खरीद

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2022-23 में जीईएम (गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेस) द्वारा सकल व्यापार मूल्य के रूप में के 2 लाख करोड़ रुपये की सीमा को पार करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। केन्द्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल के एक ट्वीट के जवाब में श्री मोदी ने 31 मार्च को ट्वीट कर कहा कि उत्कृष्ट! जीईएम ने हमें भारत के लोगों की ऊर्जा और उद्यमिता की एक झलक दी है। इसने विभिन्न नागरिकों के लिए समृद्धि और बेहतर बाजार सुनिश्चित किया है।

केन्द्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-2023 में सरकारी पोर्टल 'गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेस' (जीईएम) से वस्तुओं और सेवाओं की खरीद 2 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गई है, जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

गौरतलब है कि जीईएम पोर्टल की 2017 में शुरुआत होने के बाद लगभग 400 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ और दूसरे वर्ष में जीईएम ने लगभग 5800 करोड़ रुपये का कारोबार किया। श्री गोयल ने बताया कि जीईएम के माध्यम से कारोबार दो साल पहले लगभग 35,000 करोड़ रुपये से बढ़ गया, जो पिछले वर्ष तिगुना होकर 1 लाख 6 हजार करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा कि पांच वर्ष में बढ़कर दो लाख करोड़ रुपये होना इस बात को दर्शाता है कि प्रधानमंत्रीजी का यह प्रयोग सफल रहा है। ■

नई योजना 'महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र, 2023' का शुभारंभ

दो साल की अवधि की यह योजना लचीले निवेश और आंशिक निकासी के विकल्पों के साथ दो लाख रुपये की अधिकतम सीमा के साथ त्रैमासिक चक्रवृद्धि ब्याज 7.5 प्रतिशत का आकर्षक और निश्चित ब्याज प्रदान करती है

महिलाओं को निवेश के लिए प्रोत्साहित करने तथा उन्हें वित्तीय स्तर पर मजबूती देने हेतु केंद्र सरकार ने एक अप्रैल से 'महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र, 2023' योजना की शुरुआत कर दी और अब यह देश के 1.59 लाख डाकघरों में उपलब्ध है। इस योजना की घोषणा 2023-24 के बजट में केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा 'आजादी का अमृत महोत्सव' के उपलक्ष्य में की गई थी और यह लड़कियों सहित महिलाओं के वित्तीय समावेशन और सशक्तीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दो साल की अवधि की यह योजना लचीले निवेश और आंशिक निकासी के विकल्पों के साथ दो लाख रुपये की अधिकतम सीमा के साथ त्रैमासिक चक्रवृद्धि ब्याज 7.5 प्रतिशत का आकर्षक और निश्चित ब्याज प्रदान करती है। यह योजना 31 मार्च, 2025 तक दो साल की अवधि के लिए वैध है।

राष्ट्रीय बचत (मासिक आय खाता) योजना, 2019 को राष्ट्रीय बचत (मासिक आय खाता) (संशोधन) योजना, 2023 के माध्यम से संशोधित किया गया है और 1 अप्रैल, 2023 से एक खाते के लिए अधिकतम निवेश सीमा चार लाख पचास हजार रुपये से बढ़ाकर नौ लाख रुपये और संयुक्त खाते के लिए नौ लाख रुपये से 15 लाख रुपये कर दी गई है। इसी तरह, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना, 2019 को वरिष्ठ नागरिक बचत (संशोधन) योजना, 2023 के माध्यम से संशोधित किया गया है और अधिकतम निवेश सीमा एक अप्रैल से प्रभावी 15 लाख से बढ़ाकर 30 लाख रुपये की गई है।

बचत जमा और पीपीएफ को छोड़कर सभी छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों को भी 1 अप्रैल, 2023 से बढ़ाते हुए संशोधित किया गया है। इन उपायों से डाकघर के लघु बचत ग्राहकों को अत्यधिक लाभ होगा और डाकघरों के माध्यम से विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में और लड़कियों, महिलाओं, किसानों, कारीगरों, वरिष्ठ नागरिकों, कारखाने के श्रमिकों, सरकारी कर्मचारियों, छोटे व्यापारियों और समाज के अन्य वर्गों में इन योजनाओं में अधिक निवेश आकर्षित होगा। छोटी बचत योजनाओं में किए गए निवेश पर उन्हें बेहतर रिटर्न मिलेगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमारी सरकार महिलाओं के सम्मान और सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय डाक के ट्वीट थ्रेड के जवाब में श्री मोदी ने ट्वीट कर कहा कि महिलाओं के सम्मान और सशक्तीकरण के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है और 'महिला सम्मान बचत पत्र' इसका बेहतरीन उदाहरण है। ■

कैबिनेट ने 2023-24 सीजन के लिए कच्चे जूट के न्यूनतम समर्थन मूल्य को दी मंजूरी

2023-24 सीजन के लिए कच्चे जूट (टीडी-3, पहले के टीडी-5 ग्रेड के बराबर) का न्यूनतम समर्थन मूल्य 5,050 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। यह उत्पादन की अखिल भारतीय भारित औसत लागत पर 63.20 प्रतिशत की अतिरिक्त आय सुनिश्चित करेगा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 24 मार्च को 2023-24 सीजन के लिए कच्चे जूट के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को अपनी मंजूरी दे दी। यह मंजूरी, कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफारिशों पर आधारित है।

2023-24 सीजन के लिए कच्चे जूट (टीडी-3, पहले के टीडी-5 ग्रेड के बराबर) का एमएसपी 5,050 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। यह उत्पादन की अखिल भारतीय भारित औसत लागत पर 63.20 प्रतिशत की अतिरिक्त आय सुनिश्चित करेगा। 2023-24 सीज़न के लिए कच्चे जूट का घोषित एमएसपी, उत्पादन की अखिल भारतीय भारित औसत लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर एमएसपी तय करने के सिद्धांत के अनुरूप है, जिसे सरकार द्वारा 2018-19 के बजट में घोषित किया गया था।

यह लाभ के रूप में न्यूनतम 50 प्रतिशत का आश्वासन देता है। यह जूट उत्पादकों को बेहतर पारिश्रमिक सुनिश्चित करने और गुणवत्ता वाले जूट फाइबर को प्रोत्साहित करने की दिशा में विभिन्न महत्वपूर्ण और प्रगतिशील कदमों में से एक है।

जूट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (जेसीआई) मूल्य समर्थन संचालन करने के लिए केंद्र सरकार की नोडल एजेंसी के रूप में काम करना जारी रखेगा और इस तरह के संचालन में होने वाली हानि, यदि कोई हो, तो केंद्र सरकार द्वारा इसकी पूर्ण प्रतिपूर्ति की जाएगी। ■

स्टैंड-अप इंडिया योजना के तहत 1,80,630 से अधिक खातों में 40,700 करोड़ रुपये से अधिक की राशि आवंटित

केन्द्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा पांच अप्रैल को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार स्टैंड-अप इंडिया योजना के तहत 7 वर्षों के दौरान 1,80,630 से अधिक खातों में 40,700 करोड़ रुपये से अधिक की राशि आवंटित की गई। उल्लेखनीय है कि इस योजना की शुरुआत 5 अप्रैल, 2016 को आर्थिक सशक्तीकरण और रोजगार सृजन पर ध्यान केन्द्रित करते हुए जमीनी स्तर पर उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी। इस योजना को वर्ष 2025 तक के लिए बढ़ा दिया गया है।

केन्द्रीय वित्त और कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन ने कहा कि यह मेरे लिए बेहद गर्व और संतोष की बात है कि 1.8 लाख से अधिक महिलाओं तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों के लिए 40,600 करोड़ रुपये से अधिक राशि के ऋण स्वीकृत किए गए हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदायों को सशक्त बनाने और महिला सशक्तीकरण सुनिश्चित करने में स्टैंड अप इंडिया पहल की भूमिका को स्वीकार किया। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया कि आज हम स्टैंड अप इंडिया की सातवीं वर्षगांठ मना रहे हैं और उस भूमिका को स्वीकार करते हैं जो इस पहल ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदायों को सशक्त बनाने और महिला सशक्तीकरण सुनिश्चित करने में निभाई है। इसने उद्यम की भावना को भी बढ़ावा दिया है, जिससे हमारे लोग धन्य हैं।

एसयूपीआई योजना की सातवीं वर्षगांठ के अवसर पर केन्द्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि इस योजना ने एक ऐसा इकोसिस्टम बनाया है जिसने सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की शाखाओं से मिलने वाले ऋण के जरिए ग्रीनफील्ड उद्यम स्थापित करने में एक सहायक वातावरण के निर्माण को सुविधाजनक बनाया है और उसे जारी रखा है। 'स्टैंड-अप इंडिया' योजना अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं के बीच उद्यमशीलता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित हुई है।

21 मार्च, 2023 तक स्टैंड-अप इंडिया योजना के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और महिला लाभार्थियों का विवरण निम्न है:

अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		महिला		कुल	
खातों की संख्या	आवंटित राशि (करोड़ रुपये में)	खातों की संख्या	आवंटित राशि (करोड़ रुपये में)	खातों की संख्या	आवंटित राशि (करोड़ रुपये में)	खातों की संख्या	आवंटित राशि (करोड़ रुपये में)
26,889	5,625.50	8,960	1,932.50	1,44,787	33,152.43	1,80,636	40,710.43

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के उपभोक्ताओं के लिए नियत सब्सिडी की दी मंजूरी

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के 1 मार्च, 2023 तक 9.59 करोड़ लाभार्थी हैं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 24 मार्च को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के लाभार्थियों को प्रति वर्ष 12 रिफिल तक 14.2 किलोग्राम के एक सिलेंडर पर 200 रुपये की सब्सिडी को मंजूरी दे दी। पीएमयूवाई के 1 मार्च, 2023 तक 9.59 करोड़ लाभार्थी हैं।

इस पर वित्त वर्ष 2022-23 के लिए कुल व्यय 6,100 करोड़ रुपये और 2023-24 के लिए 7,680 करोड़ रुपये होगा। सब्सिडी सीधे पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा की जाती है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां अर्थात् इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) 22 मई, 2022 से पहले ही यह सब्सिडी प्रदान कर रही हैं।

विभिन्न भू-राजनीतिक कारणों से एलपीजी की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है। पीएमयूवाई लाभार्थियों को एलपीजी की ऊंची कीमतों से बचाना महत्वपूर्ण है।

पीएमयूवाई उपभोक्ताओं को नियत सहयोग उन्हें एलपीजी के लगातार उपयोग के लिए प्रोत्साहित करता है। पीएमयूवाई उपभोक्ताओं के बीच निरंतर एलपीजी अपनाने और उसका उपयोग सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है, ताकि वे पूरी तरह से खाना पकाने के स्वच्छ ईंधन पर निर्भर हो सकें। पीएमयूवाई उपभोक्ताओं की औसत एलपीजी खपत 2019-20 में 3.01 रिफिल थी, जो बढ़कर 2021-22 में 3.68 रिफिल हो गई। सभी पीएमयूवाई लाभार्थी नियत सब्सिडी के पात्र हैं।

ग्रामीण और वंचित गरीब परिवारों के खाना पकाने के लिए उपलब्ध तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) को स्वच्छ ईंधन बनाने के लिए केंद्र सरकार ने मई, 2016 में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना शुरू की, ताकि गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को निःशुल्क एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराया जा सके।

मोदी स्टोरी

भूमि अतिक्रमण को रोकने के लिए नरेन्द्र मोदी के रचनात्मक सुझाव

- खारवेल स्वाइन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लीक से हटकर सुझाव; चुनौतियों के रचनात्मक समाधान और उन्हें अवसरों में परिवर्तित करने की कला, वास्तव में उन्हें सबसे अलग बनाती है।

ऐसा ही एक किस्सा ओडिशा के बालासोर में नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट के दौरान सामने आया। ओडिशा के पूर्व लोकसभा सांसद श्री खारवेल स्वाइन ने बताया कि कैसे इस दौरान श्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल चुनौतियों को हल करने के लिए रचनात्मक सुझाव दिए, बल्कि उनके सुझावों ने भविष्य के मानक के तौर पर काम किया।

जब राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना चल रही थी, तब लोगों ने राजमार्ग के दोनों ओर अतिक्रमण करना शुरू कर दिया था। मैं इस अतिक्रमण की समस्या के समाधान के लिए श्री नरेन्द्र मोदी के पास गया।

श्री मोदी ने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण करने वाले अधिकारियों को सड़क के दोनों ओर कोई जगह छोड़नी ही नहीं चाहिए। फिर उन्होंने कहा कि चूंकि यह 4-लेन की सड़क है, इसलिए अधिकारियों से दो लेन के बीच में जगह छोड़ने के लिए कहें, जिससे सड़क के किनारे कोई खाली जगह न रहे।

श्री मोदी ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि ऐसा करने से बचे हुए स्थान का उपयोग भविष्य में 4-लेन के राजमार्ग को 6-लेन के राजमार्ग में परिवर्तित करने में किया जा सकेगा। यदि यह जगह हाईवे लेन के किनारे छोड़ दी जाती है, तो लोग अतिक्रमण कर लेंगे और भविष्य में सड़क के विस्तार के लिए जगह मिलना मुश्किल हो जाएगा।

श्री नरेन्द्र मोदी हमेशा चुनौतियों के रचनात्मक समाधान खोजने और उन्हें सहज भविष्य के अवसरों में बदलने की दूरदर्शिता रखते है। उनके सुझाव अक्सर समस्याओं का समाधान निकालने में एक आविष्कारक नजरिया देते है और जो राष्ट्र के विकास एवं लोगों के कल्याण के लिए उपयोग साबित होते है। इस तरह के सुझाव देकर श्री मोदी सभी कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हैं और इतना ही नहीं उनके तात्कालिक लेकिन दूरदर्शी समाधान हर संभव तरीके से उपयोगी साबित होते हैं। ■

कमल पुष्प

सेवा, समर्पण, त्याग, संघर्ष एवं बलिदान

जयमंगल सिंह – किसानों और मजदूरों के हितों के लिए लड़े

स्वर्गीय श्री जयमंगल सिंह वर्ष 1961 में जनसंघ के सदस्य बने और तभी से निरंतर संगठन से जुड़े रहे। 1971 में उन्होंने जनसंघ के टिकट पर पीरो विधानसभा से चुनाव लड़ा। 1974 में उन्होंने अपने साथियों के साथ आरा कलेक्टर कार्यालय के सामने सत्याग्रह किया, इस कारण श्री सिंह और उनके 98 साथियों को जेल जाना पड़ा। 1975 में इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल की घोषणा के बाद श्री सिंह को मीसा कानून के तहत गिरफ्तार कर लिया गया और आरा जेल भेज दिया गया। भाजपा के गठन के बाद वह प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य बने और बाद में उन्हें शाहाबाद के संगठन प्रभारी का दायित्व भी दिया गया।

श्रीराम जन्मभूमि कारसेवा के दौरान वह उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जेल में बंद थे। 1994 में कश्मीर जाते समय उन्हें कानपुर रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार कर लिया गया। 1995 में जब नक्सलियों के खिलाफ मुखर विरोध प्रदर्शन हुए, तो विभिन्न स्थानों पर आयोजित सभा का नेतृत्व श्री सिंह ने किया। वह हमेशा किसानों और मजदूरों के हितों के लिए लड़ते रहे। 24 मार्च, 1998 को नक्सलियों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। ■

'कर्नाटक का संतुलित विकास हमारी पार्टी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार ही कर सकती है'

राज्य सरकार ने कर्नाटक में वोक्कालिगा के लिए आरक्षण का कोटा 4% से बढ़ाकर 6% और पंचमसालियों, वीरशैवों और अन्य लिंगायत श्रेणियों के लिए 5% से बढ़ाकर 7% किया

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 26 मार्च को कर्नाटक के बीदर में गोराटा शहीद स्मारक एवं सरदार वल्लभभाई पटेल स्मारक का लोकार्पण किया और गोराटा मैदान में 103 फीट ऊंचा तिरंगा फहराया। इस अवसर पर कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री श्री बी.एस. येदियुरप्पा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

श्री शाह ने देश के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि अगर लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल न होते तो हैदराबाद और बीदर कभी आजाद न होता। सरदार पटेल का यह स्मारक हैदराबाद-कर्नाटक-मराठवाड़ा की जनता का निजाम के क्रूर शासन से मुक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि 1948 में जिस जगह ढाई फीट का तिरंगा फहराने के लिए निजाम ने सैकड़ों लोगों की हत्या करवा दी थी, आज उसी स्थान पर मुझे 103 फीट ऊंचा तिरंगा फहराने का सौभाग्य मिला है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति के चलते हैदराबाद मुक्ति के लिए संग्राम करने वाले लोगों को कभी याद नहीं किया और धर्म आधारित 4% माइनॉरिटी रिजर्वेशन किया, जो संविधान के प्रावधानों के विपरीत था।

श्री शाह ने कहा कि उनकी पार्टी की सरकार ने तुष्टीकरण की राजनीति में विश्वास नहीं रखते हुए रिजर्वेशन में बदलाव किए और माइनॉरिटी रिजर्वेशन को समाप्त करते हुए वोक्कालिगा के लिए आरक्षण का कोटा 4% से बढ़ाकर 6% कर दिया है। जबकि पंचमसालियों, वीरशैवों और अन्य लिंगायत श्रेणियों के लिए कोटा 5% से बढ़ाकर 7% कर दिया। इसके साथ-साथ अनुसूचित जाति (SC) समुदाय में भी एससी लैफ्ट के लिए 6%, एससी राइट के लिए 5.5%, एससी लंबानी, भोवी, कोरचा, कोरमा के लिए

4.5% और एससी अन्य समुदायों के लिए 1% आरक्षण देकर अनुसूचित जाति समुदाय के साथ हुए अन्याय को दूर करने काम किया है।

उन्होंने कहा कि चाहे मुंबई-कर्नाटक हो या दक्षिण-कर्नाटक या फिर कल्याण-कर्नाटक हो या बेंगलुरु, प्रदेश का संतुलित विकास हमारी पार्टी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार ही कर सकती है। श्री शाह ने कहा कि कर्नाटक सरकार द्वारा लिए गये ये ऐतिहासिक निर्णय पिछड़े वर्ग के सभी वर्गों के लिए पर्याप्त सामाजिक न्याय सुनिश्चित करेंगे।

संबोधन की मुख्य बातें

- 1948 में जिस जगह ढाई फीट का तिरंगा फहराने के लिए निजाम ने सैकड़ों लोगों की हत्या करवा दी थी, आज उसी स्थान पर मुझे 103 फीट ऊंचा तिरंगा फहराने का सौभाग्य मिला
- हैदराबाद मुक्ति दिवस पर 17 सितम्बर, 2014 को गोराटा में भूमिपूजन कर एक अविस्मरणीय स्मारक बनाने की आधारशिला रखी थी ताकि पूरा देश सैकड़ों साल तक गोराटा के शहीदों को श्रद्धांजलि दे सके, आज शहीदों के उसी अविस्मरणीय स्मारक का उद्घाटन करने का सौभाग्य मिला है
- अगर लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल न होते तो हैदराबाद और बीदर कभी आजाद न होता, सरदार पटेल का यह स्मारक हैदराबाद-कर्नाटक-मराठवाड़ा की जनता का निजाम के क्रूर शासन से मुक्ति का प्रतीक है
- यहां 50 करोड़ रुपये की लागत से बहुत बड़ा स्मृति स्थान और लाइट एंड साउंड शो बनाने की भी योजना है, जिससे न केवल कर्नाटक बल्कि देश भर से आने वाले यात्रियों को यहां के महान शहीदों की गाथा सुनाई जा सकेगी
- जब येदियुरप्पा जी कर्नाटक के मुख्यमंत्री बने तब उन्होंने गुलामी की निशानी 'हैदराबाद-कर्नाटक' का नाम बदलकर 'कल्याण-कर्नाटक' करने का काम किया
- सरकार ने अनुसूचित जाति समुदाय में एससी लैफ्ट के लिए 6%, एससी राइट के लिए 5.5%, एससी लंबानी, भोवी, कोरचा, कोरमा के लिए 4.5% और एससी अन्य समुदायों के लिए 1% आरक्षण कर SC समुदाय के साथ हुए अन्याय को दूर करने काम किया
- चाहे मुंबई-कर्नाटक हो या दक्षिण-कर्नाटक या फिर कल्याण-कर्नाटक हो या बेंगलुरु, प्रदेश का संतुलित विकास हमारी पार्टी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार ही कर सकती है
- कर्नाटक सरकार द्वारा लिए गये ये ऐतिहासिक निर्णय पिछड़े वर्ग के सभी वर्गों के लिए पर्याप्त सामाजिक न्याय सुनिश्चित करेंगे
- कल्याण कर्नाटक के विकास के लिए 3000 करोड़ रुपये दिए जिसे इस बजट में बढ़ाकर 5000 करोड़ रुपये कर दिया गया है ■

अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा

अटल बिहारी वाजपेयी

मुंबई में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय परिषद् में 28 दिसंबर, 1980 को श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा दिए गए अध्यक्षीय भाषण का पहला भाग—

स्वागताध्यक्ष जी, प्रतिनिधि बंधुओ, बहनो और मित्रो, आज हम यहां भारतीय जनता पार्टी के प्रथम राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए एकत्र हुए हैं। मुझे निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित कर आपने मेरे प्रति जो स्नेह और विश्वास प्रकट किया है, उसके लिए मैं आपका अत्यंत आभारी हूं। मैं जानता हूं कि इस नाजुक घड़ी में किसी राजनीतिक दल का नेतृत्व ग्रहण करना कितना टेढ़ा काम है। मैं यह भी जानता हूं कि भारतीय जनता पार्टी का अध्यक्ष पद अलंकार की वस्तु नहीं है। वस्तुतः यह पद नहीं, दायित्व है; प्रतिष्ठा नहीं, परीक्षा है; अधिकार नहीं, अवसर है; सत्कार नहीं, चुनौती है। परमात्मा से प्रार्थना है कि यह मुझे शक्ति तथा विवेक दे, जिससे में इस दायित्व को ठीक तरह से निभा सकूं।

नई पार्टी क्यों?

भारतीय जनता पार्टी का निर्माण किन परिस्थितियों में हुआ, इसके ब्यौरे में मैं नहीं जाना चाहता, किंतु इतना अवश्य कहना चाहता हूं कि हम जनता पार्टी से खुशी से अलग नहीं हुए। आरंभ से अंत तक हम निरंतर इसी दिशा में प्रयत्नशील रहे कि पार्टी की एकता बनी रहे। हमें वह शपथ याद थी, जो हमने पार्टी की एकता बनाए रखने के लिए राजघाट पर लोकनायक जयप्रकाश जी के समक्ष ली। परंतु दोहरी सदस्यता को समस्या बनाकर ऐसी परिस्थिति उत्पन्न की गई कि जनता पार्टी से अलग होने के अतिरिक्त कोई और सम्मानपूर्ण विकल्प हमारे सामने नहीं रह गया।

जिन्होंने ऐसी परिस्थिति उत्पन्न की, उनके इरादे क्या थे, आज इसमें जाने से कोई लाभ नहीं होगा। परंतु यह उल्लेखनीय है कि दोहरी सदस्यता के प्रश्न को एक बहाना माननेवालों में ऐसे बहुत से लोग थे, जिनका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से कभी भी और किसी भी रूप में संबंध नहीं रहा। उनमें से अधिकतर भारतीय जनता पार्टी के निर्माताओं में से हैं।

पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता

9 महीनों के अल्प समय में ही भारतीय जनता पार्टी को समूचे देश में जो व्यापक

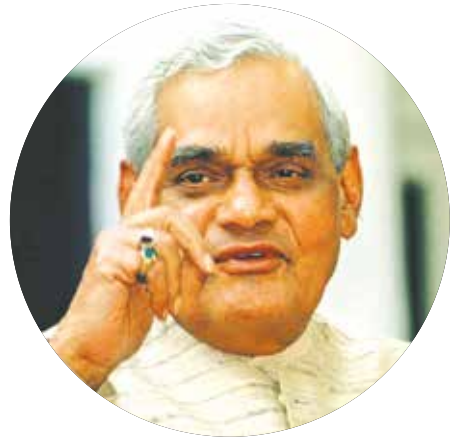

तथा प्रबल समर्थन प्राप्त हुआ है, उससे हमारे अलग दल बनाने के निर्णय की पुष्टि ही हुई है। आज भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों की संख्या 25 लाख से ऊपर है। इनमें से बहुत से ऐसे हैं, जो पुराने जनसंघ में नहीं थे। फिर भी हमारे कुछ विरोधी, जिनमें प्रधानमंत्री अग्रणी हैं, यह कहते नहीं थकते कि भारतीय जनता पार्टी पुराने जनसंघ का ही नया नाम है। देश के सभी भागों तथा समाज के सभी वर्गों में भारतीय जनता पार्टी की बढ़ती हुई लोकप्रियता से परेशान और भविष्य में पार्टी की भारी संभावनाओं से भय खाकर ही ये लोग सच्चाई पर परदा डालने में लगे हैं।

अधूरे स्वप्न को साकार करने का प्रयास

लोकनायक जयप्रकाश के आह्वान पर बनी जनता पार्टी टूट गई। मगर लोकनायक ने इस महान् भारत देश के जिस रूप का स्वप्न देखा था, उसे हम नहीं टूटने देंगे। उनका स्वप्न, उनकी साधना, उनका संघर्ष, कुछ जीवन-मूल्यों में उनकी अडिग आस्था हमारी अनमोल विरासत के अंग हैं। भारतीय जनता पार्टी लोकनायक जयप्रकाश के अधूरे कार्य को पूरा करने के लिए कृतसंकल्प है।

मूल्याधिष्ठित राजनीति

आज हमारा देश बहुआयामी संकट के बीच गुजर रहा है। निरंतर बढ़ती महंगाई, बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति; दैनिक खपत की आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धि में कठिनाई, सांप्रदायिक दंगों की उग्रता तथा अवधि में वृद्धि; अधिकाधिक सामाजिक तनाव तथा हिंसा; हरिजनों, गिरिजनों, स्त्रियों तथा अन्य कमजोर वर्गों पर बढ़ता अत्याचार, पूर्वांचल की विस्फोटक परिस्थितिः ये इस संकट के कुछ आयाम हैं।

नैतिक संकट

इन समस्याओं का सामना करने का दायित्व जिन पर है, वे सत्ता की शतरंज पर मोहरे बैठाने में लगे हैं तथा इनका समाधान करने में असमर्थ हो रहे हैं। मैं समझता हूं कि मूलतः हमारा संकट एक नैतिक संकट है। हमारे सार्वजनिक जीवन का सबसे बड़ा

अभिशाप यह है कि नैतिक मूल्यों का स्थान स्वार्थसिद्धि एवं स्वार्थसिद्धि के साधन के रूप में सत्ता प्राप्ति ने ले लिया है।

सार्वजनिक जीवन में पतनावस्था

1969 में राष्ट्रपति पद के लिए अपनी पार्टी के उम्मीदवार, जिनका नामांकन-पत्र स्वयं प्रधानमंत्री ने दाखिल किया था, को हराने के लिए अपनाए गए अनैतिक तरीकों से जो प्रक्रिया प्रारंभ हुई, वह समय बीतने के साथ अधिकाधिक व्यापक और बलवती होती गई। 1975 में घोषित आपातस्थिति किसी अंतरबाह्य संकट का सामना करने के लिए नहीं, बल्कि सत्ता में बने रहने के लिए ही थी। जनता शासन में न्यायालयों में उपद्रव, विमान का अपहरण आदि गंभीर अपराधों को प्रोत्साहन देना, डराने-धमकाने के अन्य तरीके अपनाना, बड़े पैमाने पर दलबदल कराने की साजिश इसी प्रक्रिया के अंतर्गत आते हैं। 1980 के चुनाव में असामाजिक तत्त्वों का खुला उपयोग तथा थोक वोट प्राप्त करने के लिए सांप्रदायिक, जातीय तथा क्षेत्रीय भावनाओं को उकसाने के प्रयत्नों को भी इसी संदर्भ में समझा जा सकता है।

दोहरा मानदंड

नैतिकता का दोहरा मानदंड इसी प्रक्रिया का एक पक्ष है; जो सत्ता में है या सत्ताधारियों के कृपापात्र हैं, उनके निकट हैं, उनके संबंधी हैं, उनके लिए एक मानदंड तथा औरों के लिए दूसरा मानदंड। जनता शासन के पूर्व प्रधानमंत्री ने अपने कृपा पात्रों और संबंधियों के विरुद्ध लगाए गए अभियोगों को, संथानम कमेटी की सिफारिशों की परवाह न करते हुए न्यायिक विचार के बिना अस्वीकार कर दिया। इसके विपरीत जनता शासन में प्रधानमंत्री ने स्वयं अपने संबंधियों का मामला न्यायिक विचार के लिए भेजा। वास्तव में जनता शासन के 28 महीनों में ही इस प्रक्रिया की रोकथाम की दिशा में कुछ करने का प्रयत्न किया गया।

इस प्रकार की प्रक्रिया केवल शासक वर्ग तथा राजनीतिक दलों को प्रभावित करके नहीं जाती। वह समूचे समाज, नौकरशाही, उद्योगपतियों, व्यापारियों, यहां तक कि आम लोगों को भी अपने चंगुल में लपेट लेती है। स्वार्थसिद्धि तथा जैसे भी हो, अपना काम बना लेने की हवा चल पड़ती है। परिणामतः राष्ट्र की नैतिक शक्ति का ह्रास हो जाता है और राष्ट्र संकटों का सफलतापूर्वक सामना करने की क्षमता खो बैठता है।

नैतिक मूल्यों की पुनःस्थापना

वर्तमान संकट पर विजय पाने की पहली शर्त यह है कि हमारा सार्वजनिक जीवन नैतिक मूल्यों पर आधारित हो। हमें इन मूल्यों को ढूंढ़ने के लिए देश के बाहर कहीं जाने की आवश्यकता नहीं है। भारत के जन-जीवन की परंपरा में ही इन मूल्यों की जड़ें विद्यमान हैं। संप्रदाय, धर्म, जाति, भाषा तथा क्षेत्र की सीमाओं से ऊपर उठकर आम भारतीयों का जीवन जिन मूल्यों से जुड़ा हुआ रहा है, जैसे—सहिष्णुता, सादगी, संतोष, परिश्रम, भाईचारे की भावना, उन्हीं को आधार बनाकर हमें नए समाज की रचना करनी है। आधुनिक परिस्थितियों के संदर्भ में जनजीवन का पुराना रूप बदलना वांछनीय है। पंडित नेहरू ने विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी के उपयोग पर बल देकर विकास की जो दिशा दिखाई, उससे राष्ट्र की समृद्धि बढ़ी, किंतु वह समृद्धि कुछ लोगों तक ही सीमित रह गई। विषमता में वृद्धि हुई तथा अमीर और गरीब के बीच की खाई और अधिक चौड़ी हो गई। इस विकृति को दूर करने हेतु भारतीय परंपरा के मूल्यों को आधार बनाकर आगे चलना है और व्यक्ति को, विशेषकर दुर्बलतम व्यक्ति को, विकास प्रक्रिया का केंद्रबिंदु बनाना है। गांधी, जयप्रकाश तथा दीनदयाल प्रभृति मनीषियों ने प्रगति के इसी रूप का प्रतिपादन किया था। इसी दृष्टिकोण से जनता शासन में 'अंत्योदय', काम के बदले अनाज आदि योजनाएं हाथ में ली गई थीं।

इस प्रकार के समाज का निर्माण, जो शोषण तथा भेदभाव से रहित तथा कुछ जीवन मूल्यों पर आधारित हो, केवल बड़ी-बड़ी बातें करने तथा महात्मा गांधी का नाम रटने से नहीं हो सकता। इसके लिए संघर्ष करना पड़ेगा। गरीब, किसानों, श्रमिकों, हरिजनों, गिरिजनों तथा अन्य शोषित वर्गों को संगठित करना होगा। इनकी संगठित शक्ति द्वारा ही इस प्रकार के समाज का निर्माण हो सकेगा। महात्मा गांधी ने जनशक्ति को जगाकर तथा संगठित करके ही विदेशी सरकार के विरुद्ध सफल संघर्ष किया था।

सिद्धांत आधारित राजनीति

हम जनता को तभी संगठित कर सकेंगे, हमारी बात वह तभी सुनेगी, जब हम उसके मन में अपनी विश्वसनीयता स्थापित कर सकें, उसे हम यह विश्वास दिला सकें कि हमारा उद्देश्य केवल स्वार्थसिद्धि और सत्ता हथियाना नहीं है, हमारी राजनीति कुछ मूल्यों, कुछ सिद्धांतों पर आधारित है।

गांधीवादी समाजवाद

भारतीय जनता पार्टी ने सोच-समझकर गांधीवादी समाजवाद को स्वीकार किया है। स्वयं गांधी जी अपने विचारों को किसी वाद का रूप देने के पक्ष में नहीं थे, किंतु उन्होंने जीवन को न केवल उसकी समग्रता में देखा था, बल्कि आधुनिक समस्याओं के हल के बारे में एक समन्वित दृष्टिकोण भी प्रस्तुत किया था।

उन्होंने मनुष्य का विचार मात्र आर्थिक इकाई के रूप में नहीं किया। सभी प्राचीन मनीषियों की भांति महात्मा जी भी मनुष्य की भौतिक और आध्यात्मिक-दोनों आवश्यकताओं की पूर्ति को अपना लक्ष्य बनाते हैं। गांधी जी से पहले स्वामी विवेकानंद ने आध्यात्मिक समाजवाद की बात कही थी। गीता में साम्ययोग की चर्चा है। ईशावास्य उपनिषद् में किसी दूसरे के धन को ललचाई आंखों से न देखने का निर्देश एक ऐसी समाज रचना की ओर संकेत करता है, जो 'अपरिग्रह' पर आधारित होगी। 'सबै भूमि गोपाल की' के पीछे भी यही भावना है। यज्ञ में हर आहुति के बाद 'इदन्नमम्' (यह मेरा नहीं है) का उच्चारण व्यक्ति के मन पर यह छाप छोड़ने के लिए ही किया जाता है कि आवश्यकता से अधिक का संचय नहीं करना चाहिए। ■

क्रमशः

भाजपा नेता गिरीश बापट नहीं रहे

भाजपा नेता एवं सांसद श्री गिरीश बापट का लंबी बीमारी के बाद 30 मार्च को पुणे में निधन हो गया। वह 73 वर्ष के थे। श्री बापट ने पुणे के दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल में अंतिम सांस ली, जहां उनका सांस संबंधी समस्याओं के लिए इलाज चल रहा था।

वह पुणे शहर से लोकसभा सदस्य थे, उन्हें जिले में पार्टी के आधार को मजबूत करने का श्रेय दिया जाता है। श्री बापट 2019 के आम चुनाव में लोकसभा के लिए चुने गए। इससे पहले, वह कस्बा पेठ सीट से 1995 से 2014 तक लगातार पांच बार राज्य विधान सभा के लिए चुने गए थे। वह 2009 से 2014 तक तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में राज्य मंत्री रहे। आपातकाल के दौरान श्री बापट 19 महीने जेल में रहे। उन्होंने टेल्को कंपनी में एक मजदूर के रूप में अपने करियर की शुरुआत की, जहां वे एक सक्रिय यूनियन सदस्य थे।

श्री बापट ने 1980 के दशक में राजनीति में प्रवेश किया और 1983 में पुणे नगर निगम (पीएमसी) में नगरसेवक के रूप में चुने गए। कस्बा विधानसभा क्षेत्र से विधायक के रूप में चुने जाने से पहले वे लगातार तीन बार नगरसेवक चुने गए। उसके बाद उन्होंने 2019 में पुणे शहर से लोकसभा चुनाव जीता। उनके निधन पर सभी राजनीतिक नेताओं ने शोक व्यक्त किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी।

महाराष्ट्र सरकार ने पूरे राजकीय सम्मान के साथ श्री बापट का अंतिम संस्कार किया। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने श्री बापट के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, "भाजपा के वरिष्ठ नेता व पुणे से सांसद गिरीश बापट जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। आपका संपूर्ण जीवन जनसेवा व संगठन के लिए समर्पित रहा। दुःख की इस घड़ी में भाजपा परिवार शोकाकुल परिजनों के साथ है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।"

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि श्री बापट एक ऐसे नेता थे जो जमीन से उठकर आये, लेकिन सदैव जमीन से जुड़े रहे। उन्होंने कहा, 'राजनीति और लोगों की जरूरतों के बारे में उनकी समझ एक ऐसा विषय थी, जिसका हमेशा दूसरों द्वारा अनुकरण किया गया।' उपमुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि श्री बापट ऐसे नेता थे जिनका कोई शत्रु नहीं था। ■

प्राकृतिक गैस क्षेत्र में एक बहुप्रतीक्षित सुधार 'यूनिफाइड टैरिफ' के कार्यान्वयन का शुभारंभ

'यूनिफाइड टैरिफ' ऊर्जा और प्राकृतिक गैस क्षेत्र में एक उल्लेखनीय सुधार है। यह टैरिफ व्यवस्था भारत को 'वन नेशन, वन ग्रिड, वन टैरिफ' मॉडल हासिल करने में सहायता करेगी और दूर-दराज के क्षेत्रों में गैस बाजारों को बढ़ावा भी देगी

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड ने प्राकृतिक गैस क्षेत्र में एक बहुप्रतीक्षित सुधार-एकीकृत टैरिफ के कार्यान्वयन की शुरुआत की है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 31 मार्च को कहा कि यह ऊर्जा और प्राकृतिक गैस क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार है।

केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने ट्वीट्स की एक शृंखला में बताया कि देश के सभी क्षेत्रों के आर्थिक विकास के उद्देश्य के अनुरूप पीएनजीआरबी ने प्राकृतिक गैस क्षेत्र में एक बहुप्रतीक्षित सुधार-यूनिफाइड टैरिफ के कार्यान्वयन का शुभारंभ किया है।

श्री पुरी ने यह भी बताया कि यह टैरिफ व्यवस्था भारत को 'वन नेशन, वन ग्रिड, वन टैरिफ' मॉडल हासिल करने में सहायता करेगी और दूर-दराज के क्षेत्रों में गैस बाजारों को बढ़ावा भी देगी।

केंद्रीय मंत्री की ट्वीट्स की शृंखला के जवाब में प्रधानमंत्री ने अपने ट्वीट में कहा कि ऊर्जा और प्राकृतिक गैस क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार। ■

प्रधानमंत्री का तेलंगाना, तमिलनाडु व कर्नाटक दौरा

तेलंगाना

'तेलंगाना के सपनों को साकार करने का कर्तव्य केंद्र सरकार का है'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना में हैदराबाद के परेड ग्राउंड में आठ अप्रैल को 11,300 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। परियोजनाओं में हैदराबाद के बीबी नगर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), पांच राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं और सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखना शामिल है। उन्होंने रेलवे से जुड़ी अन्य विकास परियोजनाओं का भी लोकार्पण किया। इससे पहले दिन में प्रधानमंत्री ने हैदराबाद के सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर सिकंदराबाद से तिरुपति के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर एक सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने तेलंगाना राज्य के विकास की गति को तेज करने का अवसर प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने इससे पहले आज दिन में सिकंदराबाद से तिरुपति के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाकर रवाना करने का भी स्मरण किया। यह रेलगाड़ी सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर हैदराबाद की आईटी सिटी को भगवान वेंकटेश्वर, तिरुपति के निवास स्थान से जोड़ेगी।

श्री मोदी ने कहा कि सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस आस्था, आधुनिकता, टेक्नोलॉजी और टूरिज्म को सफलतापूर्वक कनेक्ट करने वाली है। प्रधानमंत्री ने तेलंगाना के नागरिकों को आज की 11,300 करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे और सड़क संपर्क तथा स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के विकास से संबंधित परियोजनाओं के लिए शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने उल्लेख किया कि तेलंगाना को अलग राज्य बने करीब-करीब उतना ही समय हुआ है, जितना केन्द्र में वर्तमान सरकार को हुआ है। श्री मोदी तेलंगाना राज्य के गठन में योगदान देने वालों के सम्मान में नतमस्तक हुए। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' की भावना पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना के विकास से संबंधित राज्य के नागरिकों के सपनों को साकार करना केंद्र सरकार का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि इस बात पर विशेष बल दिया गया है कि तेलंगाना पिछले नौ वर्षों में भारत के विकास मॉडल का अधिकतम लाभ प्राप्त कर सके।

प्रधानमंत्री ने कहा कि रेलवे के साथ-साथ तेलंगाना के राजमार्ग नेटवर्क को भी तेज गति से विकसित किया जा रहा है और उन चार राजमार्ग परियोजनाओं का उल्लेख किया, जिनका आज शिलान्यास किया गया है। श्री मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार तेलंगाना में उद्योग और कृषि दोनों के विकास पर बल दे रही है। यह देखते हुए कि वस्त्र उद्योग एक ऐसा उद्योग है जो किसान और मजदूर दोनों को ताकत प्रदान करता है, प्रधानमंत्री ने बताया कि सरकार ने देश भर में 7 मेगा टेक्सटाइल पार्क स्थापित करने का निर्णय किया है और उनमें से एक मेगा टेक्सटाइल पार्क तेलंगाना में भी स्थापित होगा।

इस अवसर पर तेलंगाना की राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन, केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय पर्यटन मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी, मलकानगिरी से सांसद श्री ए. रेवंत रेड्डी, तेलंगाना राज्य सरकार के मंत्री और अन्य लोगों उपस्थित थे। ■

तमिलनाडु

'तमिलनाडु का विकास, सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आठ अप्रैल को तमिलनाडु के चेन्नई स्थित अलस्ट्रॉम क्रिकेट ग्राउंड में विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए एकीकृत टर्मिनल भवन (चरण -1) का उद्घाटन किया और चेन्नई में चेन्नई-कोयंबटूर वंदे भारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रधानमंत्री श्री रामकृष्ण मठ की 125वीं वर्षगांठ के समारोह में हुए शामिल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आठ अप्रैल को तमिलनाडु के चेन्नई में स्थित विवेकानंद हाउस में श्री रामकृष्ण मठ की 125वीं वर्षगांठ के समारोह में शामिल हुए। इस कार्यक्रम के आयोजन स्थल पर पहुंचने पर प्रधानमंत्री ने पुष्पांजलि अर्पित की और स्वामी विवेकानंद के कक्ष में पूजा की एवं ध्यान किया। श्री मोदी ने इस अवसर पर पवित्र त्रिमूर्ति पर लिखी गई एक पुस्तक का विमोचन भी किया।

उपस्थित गणमान्यजनों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि चेन्नई में रामकृष्ण मठ की सेवा की 125वीं वर्षगांठ के अवसर पर उपस्थित होने पर वह अत्यंत प्रसन्न हैं और इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वह अपने जीवन में रामकृष्ण मठ का गहरा सम्मान करते हैं।

सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि तमिलनाडु इतिहास और विरासत; भाषा और साहित्य की भूमि है। इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि हमारे कई स्वतंत्रता सेनानी तमिलनाडु से हैं, प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य देशभक्ति और राष्ट्रीय चेतना का केंद्र है। श्री मोदी ने कहा कि तमिलनाडु में पुथंडु आने वाला है और यह नई ऊर्जा, आशा, आकांक्षाओं और नई शुरुआत का समय है। उन्होंने कहा कि कई नई अवसंरचना परियोजनाएं आज से लोगों की सेवा के लिए शुरू हो रहीं हैं, जबकि कुछ अन्य की शुरुआत की जायेगी। रेलवे, सड़क परिवहन और वायुमार्ग से संबंधित नई परियोजनाएं नए साल के उत्सव में शामिल होंगी।

श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत गति और पैमाने से संचालित एक अवसंरचना क्रांति देख रहा है। पैमाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि इस वर्ष के बजट में अवसंरचना विकास के लिए 10 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं, जो 2014 के बजट से पांच गुना अधिक है, जबकि रेल अवसंरचना के लिए धन आवंटन रिकॉर्ड स्तर पर है।

गति पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 के बाद से राष्ट्रीय राजमार्गों के प्रति वर्ष विस्तार की दर दोगुनी हो गई है, रेल लाइनों का विद्युतीकरण प्रति वर्ष 600 मार्ग किलोमीटर से बढ़कर 4,000 मार्ग किलोमीटर हो गया है और हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर लगभग 150 हो गई है। व्यापार के लिए लाभदायक तमिलनाडु की विशाल तटरेखा का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने बताया कि 2014 से पत्तनों की क्षमता वृद्धि की दर भी दोगुनी हो गई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु का विकास सरकार के लिए बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि इस साल के बजट में राज्य की रेल अवसंरचना के लिए 6,000 करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन किया गया है, जो अब तक का सबसे अधिक है। श्री मोदी ने कहा कि 2009-2014 के दौरान प्रति वर्ष आवंटित औसत धनराशि 900 करोड़ रुपये से कम थी। 2004 से 2014 के बीच तमिलनाडु में जोड़े गए राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई लगभग 800 किलोमीटर थी, लेकिन 2014 से 2023 के बीच लगभग 2000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग जोड़े गए। तमिलनाडु में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और रखरखाव के निवेश के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014-15 में लगभग 1200 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे, जबकि 2022-23 में यह 6 गुना बढ़कर 8200 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

श्री मोदी ने पिछले कुछ वर्षों में तमिलनाडु की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर प्रकाश डाला और भारत की सुरक्षा को मजबूत करने वाले रक्षा औद्योगिक गलियारे, पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क और बेंगलुरु-चेन्नई एक्सप्रेसवे के शिलान्यास का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि चेन्नई के पास एक मल्टी-मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क का निर्माण कार्य भी चल रहा है, जबकि ममल्लापुरम से कन्याकुमारी तक की पूरी पूर्वी समुद्र तट सड़क का भारतमाला परियोजना के तहत सुधार किया जा रहा है। ■

कर्नाटक

'प्रकृति की रक्षा करना भारत की संस्कृति का एक हिस्सा है'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नौ अप्रैल को कर्नाटक के मैसूर में मैसूर विश्वविद्यालय में आयोजित 'प्रोजेक्ट टाइगर के 50 वर्ष पूरे होने के स्मरणोत्सव' कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (आईबीसीए) का भी शुभारंभ किया। उन्होंने 'अमृत काल का विजन फॉर टाइगर कंजर्वेशन' तथा टाइगर रिजर्व के प्रबंधन प्रभावशीलता मूल्यांकन के पांचवें चक्र की एक सारांश रिपोर्ट का लोकार्पण किया, बाघों की संख्या की घोषणा की और अखिल भारतीय बाघ अनुमान (पाचवां चक्र) की सारांश रिपोर्ट

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नौ अप्रैल को कर्नाटक और तमिलनाडु में बांदीपुर तथा मुदुमलाई टाइगर रिजर्व का दौरा किया तथा ऑस्कर विजेता वृत्तचित्र 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' में दिखाए गए हाथी पालकों के साथ की बातचीत

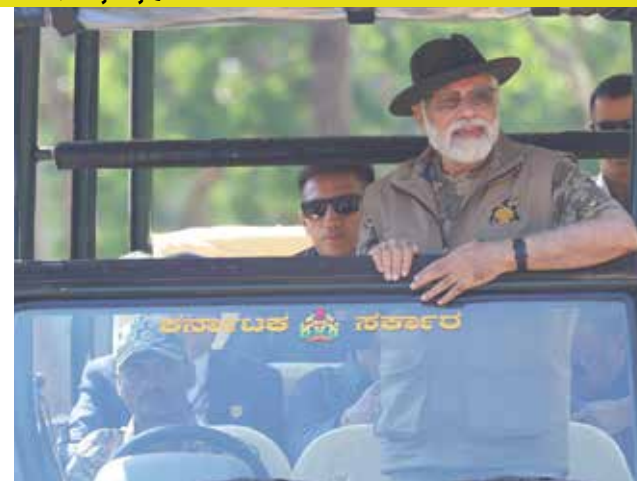

जारी की। उन्होंने प्रोजेक्ट टाइगर के 50 साल पूरे होने पर एक स्मारक सिक्का भी जारी किया।

सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने भारत में बाघों की बढ़ती आबादी के गौरवपूर्ण क्षण की चर्चा की और खड़े होकर बाघों के प्रति सम्मान दर्शाते हुए इसकी सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट टाइगर के आज 50 साल पूरे होने की ऐतिहासिक घटना का हर कोई गवाह है। श्री मोदी ने कहा कि इस प्रोजेक्ट की सफलता न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व के लिए गर्व का क्षण है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत ने न केवल बाघों की आबादी को घटने से बचाया है, बल्कि बाघों को फल-फूलने के लिए एक बेहतरीन इकोसिस्टम भी प्रदान किया है।

श्री मोदी ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि भारत की आजादी के 75वें वर्ष में दुनिया की 75 प्रतिशत बाघों की आबादी भारत में ही रहती है। उन्होंने कहा कि यह भी एक सुखद संयोग है कि भारत में बाघ अभयारण्य 75,000 वर्ग किलोमीटर भूमि पर फैले हैं और पिछले दस से बारह वर्षों में देश में बाघों की आबादी में 75 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

दुनिया भर के वन्यजीव प्रेमियों के मन में अन्य देशों, जहां बाघों की आबादी या तो स्थिर है या फिर उसमे गिरावट में हो रही है, की तुलना में भारत में बाघों की बढ़ती आबादी के बारे में उठने वाले सवालों को दोहराते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसका जवाब भारत की परंपराओं एवं संस्कृति और जैव विविधता एवं पर्यावरण के प्रति इसके नैसर्गिक प्रेम में निहित है। उन्होंने कहा कि भारत इकोलॉजी और अर्थव्यवस्था के बीच संघर्ष में विश्वास नहीं करता, बल्कि वह दोनों के सह-अस्तित्व को समान महत्व देता है।

वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में भारत की अनूठी उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि भारत एक ऐसा देश है जहां प्रकृति की रक्षा करना संस्कृति का एक हिस्सा है। उन्होंने इस तथ्य का उल्लेख किया कि भारत के पास दुनिया की कुल भूमि का केवल 2.4 प्रतिशत हिस्सा ही है, लेकिन यह ज्ञात वैश्विक जैव विविधता में आठ प्रतिशत का योगदान देता है।

श्री मोदी ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा टाइगर रेंज वाला देश है। लगभग तीस हजार हाथियों के साथ यह दुनिया का सबसे बड़ा एशियाई एलीफैंट रेंज वाला देश है और यह एक-सींग वाले गैंडों की सबसे बड़ी आबादी वाला सबसे बड़ा देश भी है। एक-सींग वाले गैंडों की संख्या यहां लगभग तीन हजार है। उन्होंने आगे कहा कि भारत एशियाई शेरों वाला दुनिया का एकमात्र देश है और इन शेरों की आबादी 2015 में लगभग 525 से बढ़कर 2020 में लगभग 675 हो गई है। उन्होंने भारत की तेंदुओं की आबादी का भी उल्लेख किया और कहा कि चार वर्षों में इसमें 60 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है।

भारत में किए गए विभिन्न कार्यों का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि वन्यजीवों के फलने-फूलने के लिए इकोलॉजी का फलना-फूलना जरूरी है। उन्होंने इस तथ्य का उल्लेख किया कि भारत ने रामसर साइटों की अपनी सूची में 11 वेटलैंड को जोड़ा है, जिससे यहां रामसर साइटों की कुल संख्या 75 हो गई है।

श्री मोदी ने कहा कि भारत ने 2019 की तुलना में 2021 तक 2200 वर्ग किलोमीटर से अधिक भूमि को वन एवं वृक्षों से आच्छादित किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दशक में सामुदायिक रिजर्व की संख्या 43 से बढ़कर 100 से अधिक हो गई और वैसे राष्ट्रीय उद्यानों एवं अभ्यारण्यों, जिनके आसपास इको-सेंसिटिव जोन अधिसूचित किए गए थे, की संख्या 9 से बढ़कर 468 हो गई है और ऐसा सिर्फ एक दशक में हुआ है।

दशकों पहले भारत में चीता के विलुप्त हो जाने के तथ्य पर प्रकाश डालते हुए श्री मोदी ने नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से भारत लाए गए चीतों का उल्लेख करते हुए बिग कैट के पहले सफल ट्रांस-कॉन्टिनेंटल ट्रांसलोकेशन की चर्चा की। उन्होंने याद दिलाया कि कुनो राष्ट्रीय उद्यान में कुछ दिन पहले चार सुंदर चीता शावकों का जन्म हुआ है। श्री मोदी ने कहा कि करीब 75 साल पहले विलुप्त होने के बाद चीते ने भारत की धरती पर जन्म लिया है। उन्होंने जैव विविधता के संरक्षण और समृद्धि के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर बल दिया। ■

बजट सत्र के दौरान पारित विधेयक एवं प्रमुख गतिविधियां

बजट सत्र 2023 का दूसरा भाग 13 मार्च, 2023 को शुरू होकर 6 अप्रैल, 2023 तक चला। बजट सत्र के बारे में बोलते हुए केंद्रीय संसदीय कार्य और संस्कृति राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि बजट सत्र के पहले भाग में लोकसभा और राज्यसभा की कुल 10 बैठकें हुईं। सत्र के दूसरे भाग में दोनों सदनों की 15 बैठकें हुईं। पूरे बजट सत्र के दौरान कुल मिलाकर 25 बैठकें हुईं। बजट सत्र के दूसरे भाग की मुख्य बातें निम्न हैं:

विधेयकों का परिदृश्य

क्र.सं.	विधेयक का नाम	संसद में स्थिति
1	वित्त विधेयक, 2023	लोक सभा द्वारा 24.03.2023 को और राज्य सभा द्वारा 27.03.2023 को यह विधेयक पारित किया गया। संसद ने जी.एस.टी. अपीलीय न्यायाधिकरण के गठन को मंजूरी दे दी है। लोकसभा ने वित्त वर्ष 2024 के लिए 45 लाख करोड़ रुपए का केंद्रीय बजट पारित किया।
2	विनियोग विधेयक, 2023	लोक सभा द्वारा यह विधेयक 23.03.2023 को और राज्य सभा द्वारा 27.03.2023 को पारित किया गया।
3	विनियोग (संख्यांक 2) विधेयक, 2023	यह विधेयक लोक सभा द्वारा 21.03.2023 को और राज्य सभा द्वारा 27.03:2023 को पारित किया गया। विधेयक की कुल राशि 2,70,508.89 करोड़ रुपए है। लोक सभा ने चालू वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान अतिरिक्त 1.48 लाख करोड़ रुपए खर्च करने के लिए केंद्र सरकार को अपनी सहमति प्रदान की।
4	जम्मू-कश्मीर विनियोग विधेयक, 2023	लोक सभा द्वारा यह विधेयक 21.03.2023 को और राज्य सभा द्वारा 27.03.2023 को पारित किया गया।
5	जम्मू-कश्मीर विनियोग (संख्यांक 2) विधेयक, 2023	लोक सभा द्वारा यह विधेयक 21.03.2023 को और राज्य सभा द्वारा 27.03.2023 को पारित किया गया। वर्ष 2022-23 के लिए जम्मू और कश्मीर के लिए अनुदान की पूरक मांगें भी प्रस्तुत की गई। अनुदानों की पूरक मांगों के हिस्से के रूप में अतिरिक्त 3,711 करोड़ रुपए की मांग की गई।
6	अंतर-सेवा संगठन (कमान, नियंत्रण और अनुशासन) बिल, 2023	लोक सभा में 15.03.2023 को प्रस्तुत किया गया था।
7	प्रतिस्पर्धा (संशोधन) विधेयक, 2023	लोक सभा द्वारा 29.03.2023 व राज्य सभा द्वारा 03.04.2023 को पारित किया गया था।
8	वन (संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2023	लोक सभा में दिनांक 29.03.2023 को प्रस्तावित कर संयुक्त समिति को भेजा गया था।
9	तटीय जलकृषि प्राधिकरण (संशोधन) विधेयक, 2023	दिनांक 05.04.2023 को लोकसभा में प्रस्तुत किया गया था।

महत्वपूर्ण प्रसंग

1. सदन के अध्यक्ष श्री ओम बिरला (भाजपा, कोटा, राजस्थान) को राष्ट्रपति से यह संदेश प्राप्त हुआ कि उन्हें लोकसभा के सदस्यों द्वारा संसद के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र में दिए गए अभिभाषण के लिए धन्यवाद की अभिव्यक्ति प्राप्त हुई है, जो उन्होंने दिनांक 31 जनवरी, 2023 को दिया था।
2. राज्य सभा में श्री अब्दुल वहाब (IUML, केरल) द्वारा प्रस्तुत मदरसों के आधुनिकीकरण के लिए विशेष कोष के प्रस्ताव को ठुकरा दिया गया।
3. लोकसभा विशेषाधिकार समिति श्री राहुल गांधी (पूर्व सांसद)

के विरुद्ध विषयों का अध्ययन करेगी। मानहानि के मामले में सूरत के एक मजिस्ट्रेट न्यायालय द्वारा श्री राहुल गांधी (पूर्व सांसद) को दो साल के कारावास की सजा सुनाए जाने के उपरांत, उन्हें 24 मार्च को लोकसभा सचिवालय द्वारा केरल में वायनाड निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

4. भाजपा ने राज्यसभा में कांग्रेस नेता श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (कांग्रेस, कर्नाटक) और श्री जयराम रमेश (कांग्रेस, कर्नाटक) के खिलाफ अध्यक्ष श्री जगदीप धनखड़ जी की पद की गरिमा का कथित रूप से अपमान करने के लिए विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है।

महत्वपूर्ण संसदीय समितियों के निष्कर्ष

1. अनुदान मांगों पर संसदीय स्थायी समिति के अनुसार गृह मंत्रालय ने कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को सूचित किया है कि इन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF) की तैनाती के लिए उन पर कुल 49.912.37 करोड़ रुपए का बकाया है।
2. बहु-राज्य सहकारी समिति (संशोधन) विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति रिपोर्ट संसद में प्रस्तुत की गई। विधेयक 97वें संविधान संशोधन द्वारा लाए गए परिवर्तनों और इस अवधि के दौरान क्षेत्र में आए परिवर्तनों को समायोजित करता है। संयुक्त संसदीय समिति (JPC) ने भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा बहु-राज्य सहकारी समिति (संशोधन) विधेयक में व्यापक प्रावधान शामिल करने के अनुरोध को ठुकरा दिया।
3. जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक, 2022 पर संयुक्त संसदीय समिति ने लोकसभा में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, व उसमें अनुशंषा करते हुए अधिकांशतः 183 प्रावधानों को स्वीकार किया है।

महत्वपूर्ण प्रश्नों के उत्तर

1. **श्री पंकज चौधरी** (राज्य मंत्री, वित्त मंत्रालय; भाजपा, महाराजगंज, उत्तर प्रदेश) ने संसद को सूचित किया कि प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (PMLA) के अंतर्गत 3.497 मामले दर्ज किए थे।
2. **श्री आर. के. सिंह** (केंद्रीय मंत्री, ऊर्जा मंत्रालयः भाजपा, आरा, बिहार) ने सदन को सूचित किया कि प्रधानमंत्री के गति शक्ति मास्टर प्लान के अंतर्गत 2024-25 तक 75,000 करोड़ रुपए के निवेश से 27,000 सर्किट किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइनें जोड़ी जाएंगी।
3. **श्रीमती अनुप्रिया पटेल** (राज्य मंत्री, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालयः अपना दल सोनेलाल (ADS), मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश) ने सदन को सूचित किया कि भारत से मिर्च के निर्यात में 2017-18 और 2021-22 वित्तीय वर्ष के बीच 25% से अधिक की वृद्धि देखी गई है।
4. **श्री पंकज चौधरी** (राज्य मंत्री, वित्त मंत्रालय; भाजपा, महराजगंज, उत्तर प्रदेश) ने लोकसभा को सूचित किया कि आयकर विभाग द्वारा पिछले चार वित्तीय वर्षों के दौरान 2,841 संगठनों के खिलाफ की गई तलाशी के दौरान 4,800 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति जब्त की गई।
5. **श्री पीयूष गोयल** (केंद्रीय मंत्रीः वाणिज्य और उद्योग मंत्रालयः भाजपा, महाराष्ट्र) ने सदन को सूचित किया कि 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के परिणामस्वरूप वर्ष 2017-18 में विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार 5.7 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2019-20 में 6.24 करोड़ हो गया है।
6. **श्री राव इंद्रजीत सिंह** (राज्य मंत्री, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालयः भाजपा, गुड़गांव, हरियाणा) ने संसद को सूचित किया कि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) में 2012-13 से 2021-22 तक वृद्धि की प्रवृत्ति रही है।
7. **श्री नित्यानंद राय** (राज्य मंत्री गृह मंत्रालयः भाजपा, उजियारपुर, बिहार) ने संसद को सूचित किया कि पिछले 12 वर्षों में भारत में नक्सल हिंसा में 77% की कमी आई है और इसी अवधि के दौरान संबंधित घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या में भी 90% की कमी आई है।
8. **श्री नित्यानंद राय** (राज्य मंत्री, गृह मंत्रालयः भाजपा, उजियारपुर, बिहार) ने संसद को सूचित किया कि इस वित्तीय वर्ष में जनवरी तक जम्मू-कश्मीर को 1,547.87 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड निवेश प्राप्त हुआ है।
9. **श्री भगवत कराड** (राज्य मंत्री, वित्त मंत्रालयः भाजपा, महाराष्ट्र) ने संसद को सूचित किया कि 18 देशों के बैंकों को आर.बी.आई. (RBI) द्वारा भारतीय रुपये में भुगतान करने के लिए विशेष वोस्ट्रो रुपया खाते (एस.वी.आर.ए. SVRA) खोलने की अनुमति दी गई है।
10. **श्री रामेश्वर तेली** (राज्य मंत्री, श्रम और रोजगार मंत्रालयः भाजपा, डिब्रूगढ़, असम) ने राज्यसभा को बताया कि कोविड महामारी के दौरान शुरू की गई प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (PM SVANidhi) योजना के अंतर्गत 13 मार्च, 2023 तक 42.21 लाख ऋण वितरित किए गए हैं।

संसद के प्रश्नोत्तर का परिदृश्य

क्र. सं.	प्रश्न का प्रकार	लोक सभा	राज्य सभा
1	तारांकित	320	255
2	अतारांकित	3,680	2,720
कुल		4,000	2,975

प्रधानमंत्री ने भोपाल से 'वंदे भारत एक्सप्रेस' रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

आज भारतीय रेल देश के आम परिवारों के लिए सुविधा का पर्याय बन रही है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक अप्रैल को मध्य प्रदेश में भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से भोपाल और नई दिल्ली के बीच 'वंदे भारत एक्सप्रेस' रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के बाद रानी कमलापति-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी का निरीक्षण किया और ट्रेन के चालक दल तथा वहां पर उपस्थित बच्चों के साथ बातचीत भी की।

श्री मोदी ने मध्य प्रदेश के निवासियों को उनकी पहली वंदे भारत रेलगाड़ी मिलने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह रेलगाड़ी दिल्ली से भोपाल के बीच यात्रा में लगने वाले समय को कम करेगी और व्यवसायियों तथा युवाओं के लिए कई सुविधाएं एवं सहूलियतें प्रदान करेगी। उन्होंने इस क्षेत्र में पर्यटन के लिए वंदे भारत रेलगाड़ी चलने के लाभों पर भी प्रकाश डाला, क्योंकि इसके संचालन से सांची, भीमबेटका, भोजपुर और उदयगिरि गुफाओं में पर्यटन के लिए अधिक यात्री आने लगेंगे। इससे रोजगार, आय व स्वरोजगार के अवसरों में भी सुधार होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारतीय रेल देश के आम परिवारों के लिए सुविधा का पर्याय बन रही है। उन्होंने इस संबंध में रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण, 6000 स्टेशनों पर वाई-फाई सुविधा और 900 स्टेशनों पर सीसीटीवी जैसे कदमों को गिनाया। श्री मोदी ने युवाओं में वंदे भारत की लोकप्रियता और देश के कोने-कोने से वंदे भारत की बढ़ती मांग पर भी प्रकाश डाला।

प्रधानमंत्री ने इस साल के बजट में रेलवे के लिए रिकॉर्ड आवंटन का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब इच्छा होती है, इरादे स्पष्ट होते हैं और संकल्प दृढ़ होता है तो नए रास्ते निकलते हैं। श्री मोदी ने बताया कि पिछले 9 वर्षों में रेल बजट में लगातार वृद्धि की गई है और मध्य प्रदेश को 2014 से पहले के वर्षों के औसत 600 करोड़ रुपये की तुलना में रेल संबंधी बजट में 13,000 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं।

रेलवे के आधुनिकीकरण का उदाहरण देते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि देश के कुछ हिस्सों में हर दूसरे दिन 100 प्रतिशत रेलवे नेटवर्क का विद्युतीकरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शत-प्रतिशत विद्युतीकरण करने वाले 11 राज्यों में मध्यप्रदेश भी शामिल है। श्री मोदी ने कहा कि 2014 के बाद प्रति वर्ष रेलवे मार्गों का औसत विद्युतीकरण 600 किलोमीटर से दस गुना बढ़कर 6000 किलोमीटर हो गया है।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और केन्द्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव उपस्थित थे। ■

अटल नवाचार मिशन ने भारत के युवाओं को सशक्त बनाने के लिए तीन अभिनव संसाधन किए लॉन्च

अटल नवाचार मिशन (एआईएम), नीति आयोग ने 31 मार्च को भारत के युवाओं में नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तीन नए संसाधन लॉन्च किए। लॉन्च कार्यक्रम में एटीएल टिंकरिंग पाठ्यक्रम, उपकरण मैनुअल और 2023-24 के लिए गतिविधियों का कैलेंडर प्रस्तुत किया गया।

एटीएल टिंकरिंग पाठ्यक्रम एक पंक्तिबद्ध शिक्षण मार्ग है, जिसे छात्रों को अपने नवाचार कौशल को विकसित करने और सुधारने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस पाठ्यक्रम में बुनियादी इलेक्ट्रॉनिक्स और यांत्रिकी से लेकर 3डी प्रिंटिंग और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों तक अवधारणाओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। इस पाठ्यक्रम के साथ छात्रों को व्यावहारिक, अनुभवजन्य शिक्षा के माध्यम से दिन-प्रतिदिन की समस्याओं के रचनात्मक समाधानों की पहचान करने और डिजाइन करने के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा।

उपकरण मैनुअल देश के स्कूलों में अटल टिंकरिंग लैब में प्रदान किए गए उपकरणों पर व्यापक मार्गदर्शन उपलब्ध कराता है। मैनुअल में प्रत्येक उपकरण और टूल के बारे में विस्तृत जानकारी निहित होती है, जिसमें विनिर्देशों, अनुप्रयोगों और परियोजनाओं के उदाहरण शामिल होते हैं, जिन्हें इन सबका उपयोग करके बनाया जा सकता है। यह नवाचार और समस्या-समाधान की संभावनाओं का पता लगाने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए बहुत मूल्यवान संसाधन है।

जबकि, 2023-24 के लिए गतिविधियों का कैलेंडर छात्रों के बीच नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और प्रतियोगिताओं के एक वर्ष के कार्यक्रम को निर्दिष्ट करता है। कैलेंडर में नवीनतम टिंकरिंग पाठ्यक्रम और उपकरण मैनुअल को एकीकृत किया गया है। इसमें एक विशेष सेक्शन भी है, जिसे महीने की गतिविधि कहा जाता है- जिसमें रोमांचक गतिविधियां शामिल हैं, जिन्हें छात्र हर महीने अपनी एटीएल प्रयोगशाला में कर सकते हैं। ■

देश में 10 सालों में अंगदान करने वालों की संख्या में तीन गुनी हुई वृद्धिः नरेन्द्र मोदी

आज देश में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। साल 2013 में हमारे देश में अंगदान के पांच हजार से भी कम मामले थे, लेकिन 2022 में यह संख्या बढ़कर 15 हजार से ज्यादा हो गई है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 26 मार्च को कहा कि आज देश में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ रही है और पिछले 10 सालों में अंगदान करने वालों की संख्या में तीन गुनी वृद्धि हुई है। आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 99वीं कड़ी में अपने विचार व्यक्त करते हुए श्री मोदी ने देशवासियों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में अंगदान के लिए सामने आने की अपील की।

हमारे देश में समय के साथ, स्थिति-परिस्थितियों के अनुसार अनेक परंपराएं विकसित होती हैं। यही परंपराएं हमारी संस्कृति का सामर्थ्य बढ़ाती हैं और उसे नित्य नूतन प्राणशक्ति भी देती हैं

अंगदान करने वाले कुछ लोगों के परिजनों के अनुभव सुनने के बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि आपका एक फैसला कई लोगों की जिंदगी बचा सकता है, जिंदगी बना सकता है। उन्होंने कहा कि जो लोग अंगदान का इंतजार करते हैं, वह जानते हैं कि इंतजार का एक-एक पल गुजरना कितना मुश्किल होता है और ऐसे में जब कोई अंगदान या देहदान करने वाला मिल जाता है तो उसमें ईश्वर का स्वरूप ही नजर आता है।

श्री मोदी ने कहा कि हमारे देश में आज बड़ी संख्या में ऐसे जरूरतमंद हैं, जो स्वस्थ जीवन की आशा में किसी अंगदान करने वाले का इंतज़ार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के इस दौर में अंगदान किसी को जीवन देने का एक बहुत बड़ा माध्यम बन चुका है क्योंकि जब एक व्यक्ति मृत्यु के बाद अपना शरीर दान करता है तो उससे 8 से 9 लोगों को एक नया जीवन मिलने की संभावना बनती है।

श्री मोदी ने कहा कि आज देश में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। साल 2013 में हमारे देश में अंगदान के पांच हजार से भी कम मामले थे लेकिन 2022 में यह संख्या बढ़कर 15 हजार से ज्यादा हो गई है। अंगदान करने वाले व्यक्तियों ने, उनके परिवार ने, वाकई बहुत पुण्य का काम किया है।

भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि इन दिनों पूरे विश्व में स्वच्छ ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा की खूब बात हो रही है। मैं जब विश्व के लोगों से मिलता हूं, तो वो इस क्षेत्र में भारत की अभूतपूर्व सफलता की जरुर चर्चा करते हैं। खासकर, भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में जिस तेजी से आगे बढ़ रहा है, वो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है।

श्री मोदी ने कहा कि भारत के लोग तो सदियों से सूर्य से विशेष रूप से नाता रखते हैं। हमारे यहां सूर्य की शक्ति को लेकर जो वैज्ञानिक समझ रही है, सूर्य की उपासना की जो परंपराएं रही हैं, वो अन्य जगहों पर कम ही देखने को मिलती हैं। मुझे ख़ुशी है कि आज हर देशवासी सौर ऊर्जा का महत्व भी समझ रहा है और स्वच्छ ऊर्जा में अपना योगदान भी देना चाहता है। 'सबका प्रयास' की यही भावना आज भारत के सोलर मिशन को आगे बढ़ा रही है।

उन्होंने कहा कि हमारे देश में समय के साथ, स्थिति-परिस्थितियों के अनुसार अनेक परंपराएं विकसित होती हैं। यही परंपराएं हमारी संस्कृति का सामर्थ्य बढ़ाती हैं और उसे नित्य नूतन प्राणशक्ति भी देती हैं। कुछ महीने पहले ऐसी ही एक परंपरा शुरू हुई काशी में। काशी-तमिल संगमम के दौरान काशी और तमिल क्षेत्र के बीच सदियों से चले आ रहे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को सेलिब्रेट किया गया। 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना हमारे देश को मजबूती देती है।

श्री मोदी ने कहा कि हम जब एक-दूसरे के बारे में जानते हैं, सीखते हैं, तो एकता की ये भावना और प्रगाढ़ होती है। एकता की इसी भावना के साथ अगले महीने गुजरात के विभिन्न हिस्सों में 'सौराष्ट्र-तमिल संगमम' होने जा रहा है। 'सौराष्ट्र-तमिल संगमम' 17 से 30 अप्रैल तक चलेगा। ■

प्रधानमंत्री मोदी 76 प्रतिशत अनुमोदन रेटिंग के साथ फिर सबसे लोकप्रिय वैश्विक नेता की सूची में शीर्ष पर रहे: सर्वेक्षण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 76 प्रतिशत की अनुमोदन रेटिंग के साथ एक बार फिर दुनिया के 'सबसे लोकप्रिय' नेता हैं। श्री मोदी ने अपने अमेरिकी और ब्रिटेन के समकक्षों श्री जो. बाइडेन और श्री ऋषि सुनक को पीछे छोड़ दिया। यह बात 03 अप्रैल, 2023 को मॉर्निंग कंसल्ट द्वारा जारी एक सर्वेक्षण में कही गयी है।

सर्वेक्षण के अनुसार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की रेटिंग

श्री मोदी ने अपने अमेरिकी और ब्रिटेन के समकक्षों श्री जो. बाइडेन और श्री ऋषि सुनक को पीछे छोड़ दिया

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री श्री एंथनी अल्बनीस, फ्रांस के राष्ट्रपति श्री इमैनुएल मैक्रॉन और कनाडा के प्रधानमंत्री श्री जस्टिन ट्रूडो सहित अन्य नेताओं से अधिक है। सर्वेक्षण में रेटिंग के लिए 22 वैश्विक नेताओं को शामिल किया गया। इस सर्वेक्षण में जहां प्रधानमंत्री मोदी ने पहला स्थान हासिल किया, वहीं मैक्सिकन राष्ट्रपति श्री एंड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर 61 प्रतिशत की अनुमोदन रेटिंग के साथ दूसरे स्थान पर रहे। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता					
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/- ☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/- ☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

दावणगेरे (कर्नाटक) में 25 मार्च, 2023 को
एक भव्य रोड शो के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

रानी कमलापति स्टेशन (भोपाल) में 1 अप्रैल, 2023 को वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली में 30 मार्च, 2023 को नए संसद भवन का
निरीक्षण करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 9 अप्रैल, 2023 को ईस्टर के अवसर पर सेक्रेड हार्ट कैथेड्रल कैथोलिक चर्च में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 4 अप्रैल, 2023 को महामहिम भूटान नरेश
जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

29 मार्च, 2023 को 'लोकतंत्र के लिए द्वितीय शिखर सम्मेलन' को
संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली "रजिस्टर्ड"
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

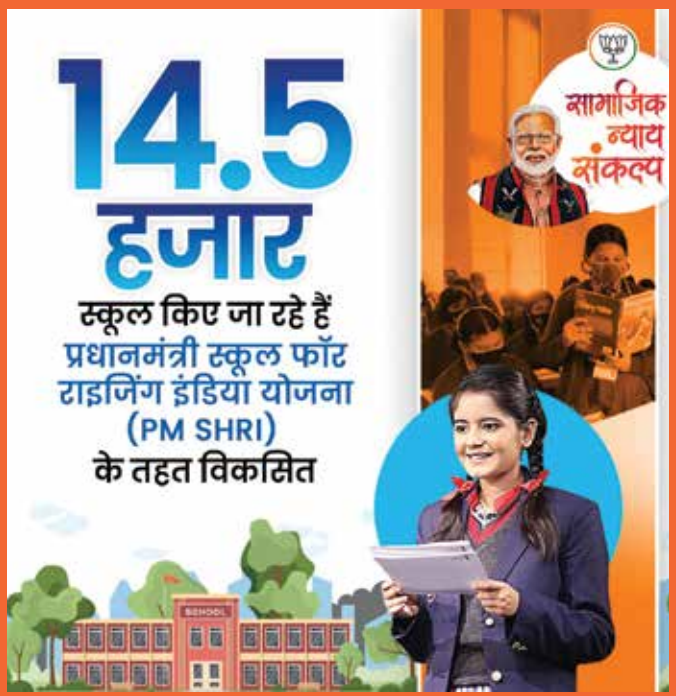

आवरण: अजय कुमार सिंह